वाराणसी
शुक्रवार 19 दिसम्बर से गुरुवार 25 दिसम्बर 2025
वर्ष : 1 अंक : 18
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 8
PRGI No. UPHIN/25/A2219

info@ujalasanchar.com

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

मौसम
सूर्योदय : 6.25
सूर्यास्त : 5.07

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

हंगामे के बीच वीबी-जी राम जी बिल लोकसभा से पास

विपक्ष ने कागज फाड़े, शिवराज बोले- चुनावी फायदे के लिए जोड़ा था गांधी का नाम

नई दिल्ली। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल यानी VB–G Ram G पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में जवाब दिया। इस दौरान विपक्ष ने बिल के विरोध में जमकर नारेबाजी की। विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और कागज फेंके। हंगामे के बीच बिल ध्वनि मत से पास हो गया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मनरेगा का नाम पहले पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया। वो तो पहले नरेगा थी। बाद में जब 2009 के चुनाव आए तब चुनाव और वोट के कारण महात्मा गांधी याद आए। बापू याद आए। तब उसमें जोड़ा गया महात्मा गांधी।

इससे पहले विपक्ष ने इस बिल के विरोध में संसद परिसर में मार्च निकाला। इसमें विपक्ष के 50 से ज्यादा सांसदों ने हिस्सा लिया और VB-G-RAM-G बिल वापस लेने के नारे लगाए।

बुधवार को लोकसभा में VB-G-RAM-G बिल पर 14 घंटे चर्चा हुई। कार्यवाही देर रात 1:35 बजे तक चली। इसमें 98 सांसदों ने हिस्सा लिया। यह 20 साल पुराने MGNREG एक्ट की जगह लेगा। उधर राज्यसभा में शाम 6.50 बजे बिल पर चर्चा शुरू हो गई है। इसके पहले राज्यसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (SHANTI) बिल पास कर दिया गया।

बंगाल की जॉब-गारंटी योजना महात्मा गांधी के नाम पर होगी:ममता बनर्जी

मनरेगा से बापू का नाम हटाना शर्मनाक, केंद्र ने नाम वीबी–जी राम जी किया

कोलकाता। रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विवाद के बीच सीएम ममता बनर्जी ने ऐलान किया कि बंगाल की रोजगार गारंटी योजना कर्मश्री का नाम बदलकर महात्मा गांधी के नाम पर रखा जाएगा। राज्य में रोजगार गारंटी योजना कर्मश्री 2024 में शुरू की गई थी। इसका मकसद ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को आजीविका देना है। अब इसका नाम महात्मा गांधी कर्मश्री योजना हो सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने गुरुवार को बिजनेस और इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में कहा कि यह कदम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान में लिया गया है। दरअसल केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी श्इ-जी राम जी करने का बिल गुरुवार को लोकसभा से पास करा लिया है। विपक्षी दल लगातार महात्मा गांधी का नाम हटाकर नए बिल लाने का विरोध कर रहे हैं। ममता ने कहा कि केंद्र का यह फैसला बेहद शर्मनाक है। योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने का मकसद उनके योगदान को सम्मान देना है और साथ ही यह संदेश देना है कि बेरोजगार लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार गंभीर है। केंद्र मनरेगा के तहत फंड रोक रहा है। सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में काम के दिनों की संख्या बढ़ाकर 100 करने का है। कर्मश्री योजना के तहत राज्य ने पहले ही कई काम के दिन तय कर दिए हैं और इन्हें अपने रिसोर्स से चलाया जा रहा है। अगर केंद्र का फंड रोक भी दिया जाता है, तो भी हम यह पक्का करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं। बंगाल एक शांतिपूर्ण राज्य है। सोशल मीडिया पर जो नकारात्मक बातें फैलाई जा रही हैं, वे झूठी हैं और राज्य की छवि खराब करने के लिए की जा रही हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलत वीडियो और भ्रामक खबरें फैलाकर बंगाल को बदनाम करना चाहते हैं, लेकिन कोई भी बंगाल को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। कुछ लोग बंगाल की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे, लेकिन उन्हें नहीं पता कि राज्य में कितना विकास हुआ है। आज बंगाल देश के बड़े लॉजिस्टिक्स केंद्र में शामिल है और दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्वी राज्यों तक जाने का मुख्य रास्ता है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कार ने ट्रक में मारी टक्कर, पिता-पुत्र समेत तीन की मौत, चार घायल

आजमगढ़। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पिलर-254 पर बृहस्पतिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार कार की ट्रक में भिड़ंत से हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मेरठ जिले के थाना सरधना क्षेत्र के अलीपुर गांव निवासी लोग कार से यात्रा कर रहे थे। वे मेरठ से वाराणसी इलाज के लिए जा रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेस-वे पर आगे चल रहे एक ट्रक में तेज रफ्तार कार पीछे से जा टकराई। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज गति और कोहरा बताया जा रहा है।

हादसे में प्रिंस (10), उसके पिता विशेष (40) और एक अज्ञात व्यक्ति (50) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं डोली (31) पत्नी विशेष, अंशिका (14) पुत्री विशेष, कार्तिक (11) पुत्र विशेष और सत्या (28) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला मंडलीय चिकित्सालय, आजमगढ़ में भर्ती कराया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

इस संबंध में सीओ सदर आस्था जायसवाल ने बताया कि मुबारकपुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पिलर संख्या 254 पर एक वाहन कोहरे के कारण ट्रक में जा भिड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह लोग ओमनी गाड़ी से मेरठ से वाराणसी जा रहे थे।

दिल्ली ब्लास्ट केस में 9वीं गिरफ्तारी

आत्मघाती हमले की कसम खाने वाला सुसाइड बॉम्बर यासिर डार अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली बम धमाके के मामले में एक अहम घटनाक्रम में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के एक निवासी को गिरफ्तार किया है, जो इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है। अधिकारियों के अनुसार, उसे आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी माना जाता है। गिरफ्तारी के बाद, दार को गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। मामले में दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने दार को 26 दिसंबर तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। गौरतलब है कि दार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदालत में पेश किया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष एनआईए न्यायाधीश) अंजू बजाज चंदना ने एजेंसी के वकील की दलीलें सुनने के बाद दार को एनआईए की हिरासत में भेज दिया। इस सप्ताह की शुरूआत में पटियाला हाउस कोर्ट ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार डॉ. बिलाल नासिर मल्ला और शोएब की हिरासत 19 दिसंबर तक बढ़ा दी थी। दोनों आरोपियों को एनआईए की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद पेश किया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष एनआईए न्यायाधीश) ने बिलाल नासिर मल्ला और शोएब की हिरासत बढ़ाई थी।

यूपी गौरव सम्मान समारोह का आयोजन 21 दिसम्बर को

चंदौली। राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम स्थापित करने और सदैव पत्रकारों की हित में कार्य कर रही संगठन उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद् चन्दौली द्वारा विगत 16 वर्षों से समाज में अपना अनुकरणीय योगदान करने वाले महान विभूतियों के सम्मान में यू.पी. गौरव सम्मान समारोह करते आ रहे हैं उसी कड़ी में वर्ष 2025 का सम्मान समारोह आगामी 21 दिसम्बर 2025 को प्रस्तावित है।

उक्त कार्यक्रम में समाजसेवी, डॉक्टर्स, सी ए, शिक्षक, फाइन आर्ट कलाकार, संगीतकार, पत्रकार, कृषि जगत, साहित्यकार, शिक्षाविद, अनार्मेंट्स, फैशन, ब्यूटीशियन, मॉडलिंग, उद्यमी ,डॉन्स एवं संगीत सहित लगभग 25 विद्या के लोग शामिल होंगे। संगठन से जुड़े समाचार पत्रों में कार्यक्रम की कवरेज की जायेगी। सम्मान प्राप्त करने वाले क्रमशः शालिनी शर्मा, शिक्षा, नितेश मिश्र शिक्षा डॉ.राघवेंद्र नारायण सिंह साहित्य, डॉ अमित जैन चिकित्सा, डॉ. अंजू जैन चिकित्सा, डॉ नितिन अग्रवाल चिकित्सा (कायरो प्रैक्टिस थेरेपी) तनिष्क मुगलसराय अनार्मेंट्स, कशिश गुप्ता कला, पंकज कुमार बैंकिंग , दिव्या विकास बीमा एवं बैंकिंग शांति राधा समाज सेवा, लाल बरत सिंह चौहान, जन सेवक विजय कुमार, शिक्षा प्रिंस जैन उद्यमी, ऋषभ जैज, उद्यमी, विजय राज, संगीत, मनीषा वर्मा संगीत रविंद्र कुमार पटेल शिक्षा डी गुरुकुलम स्कूल, शिक्षा, उजाला संचार मीडिया हाउस पत्रकारिता, सुनील कुमार_पत्रकारिता, सहित अन्य विद्या के लोग शामिल हो रहे हैं।

उक्त कार्यक्रम में मिजार्पुर, वाराणसी, जौनपुर, बिहार के अलावा स्थानीय लोग उपस्थित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप जिला प्रशासन चन्दौली, रेल प्रशासन डीडीयू मण्डल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से आ रहे हैं।

यूपी में शीतलहर-कोहरा पारा 6 डिग्री, 50 ट्रेनें लेट

स्कूलों का समय बदला, काशी में 7 उड़ानें रद्द

पाकिस्तान से आ रही सर्द हवा से गलन बढ़ी

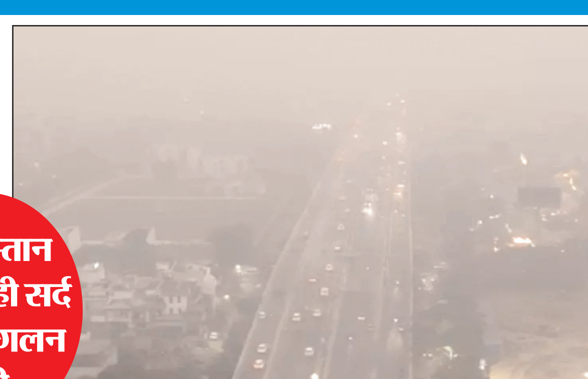

लखनऊ। यूपी में शीतलहर और कोहरे का कहर जारी है। आज प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और अयोध्या सहित 30 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। पाकिस्तान के रास्ते आ रही नमी और ठंडी हवाओं (पश्चिमी विक्षोभ) ने ठिठुरन बढ़ा दी। बरेली में ठंड ने 8 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। स्कूल 20 दिसंबर तक बंद कर दिए गए।

बुधवार की बात करें तो प्रदेश में कानपुर सबसे ठंडा रहा। न्यूनतम पारा 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। लखनऊ समेत 50 जिलों में घने कोहरा छाया रहा। इकाना स्टेडियम में होने वाला भारत-साउथ अफ्रीका टी-20 मैच रद्द कर दिया गया। इस दौरान हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। 7 फ्लाइट्स लेट हुईं। एक रद्द करनी पड़ी, जबकि एक अन्य को डायवर्ट करना पड़ा। गोरखपुर एयरपोर्ट से भी 6 फ्लाइटें लेट उड़ीं। वाराणसी में 15 फरवरी तक 10 विमानों को रद्द कर दिया गया। 42 फ्लाइट्स को रीशेड्यूल किया गया। अब एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट सुबह 7:35, जबकि अंतिम फ्लाइट रात्रि 9:45 बजे उड़ान भरेगी। खराब विजिबिलिटी की वजह से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और इटावा समेत कई स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं।

संस्कृति में होती है राष्ट्र की आत्मा : सीएम योगी

सीएम ने मालिनी से पूछा- अवस्थीजी कहां गए, लखनऊ में कहा- मुझे बुलाकर गायब हो गए, वह भी अच्छे कलाकार हैं

लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में लोक गायिका मालिनी अवस्थी से हुए इस संवाद के बारे में बताया तो पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। मौका था भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह का। सीएम योगी, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे।

समारोह में कथक नृत्यांगना पूर्णिमा पांडेय, मालिनी अवस्थी सहित चार पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए उन्होंने लोक गायिका मालिनी अवस्थी से ये बातें पूछी थीं। फिर बाद में उन्होंने भाषण के दौरान सबको बताई।

दरअसल, भातखंडे विश्वविद्यालय अपने 100 वर्ष की यात्रा को सेलिब्रेट कर रहा है। इस दौरान सीएम ने रिमोट से विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया। समारोह की विशिष्ट अतिथि मशहूर नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉक्टर सोनल मानसिंह रहीं।

मुख्यमंत्री के अलावा मेयर सुषमा खर्कवाल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, एमएलसी रामचंद्र प्रधान, एमएलसीअविनाश सिंह, एमएलसी नीरज बोरा, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात भी पहुंचे। बता दें कि मालिनी अवस्थी, पूर्व सीनियर आईएएस अवनीश अवस्थी की पत्नी हैं।

सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर पीएम मोदी

भारत-ओमान के लोगों के बीच स्नेह और विश्वास का प्रतीक

नई दिल्ली। ओमान ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विशेष नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया। राजधानी मस्कट में सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से नवाजा। इस पर प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम मोदी ने ओमान की सरकार और लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह भारत-ओमान के लोगों के बीच स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ऑर्डर ऑफ ओमान (फर्स्ट क्लास) पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस सम्मान के लिए सुल्तान हैथम बिन तारिक, ओमान की सरकार और लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। यह भारत और ओमान के लोगों के बीच स्नेह और विश्वास का प्रतीक है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'सदियों से हमारे पूर्वज एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, एक-दूसरे के साथ समुद्री व्यापार करते रहे हैं। अरब सागर हमारे देशों के बीच एक मजबूत पुल बन गया है। मैं यह सम्मान भारत के लोगों को समर्पित करता हूं। मैं यह सम्मान अपने उन पूर्वजों को भी समर्पित करता हूं, जिन्होंने मांडवी से मस्कट तक यात्रा करके इस रिश्ते की नींव रखी। यह सम्मान उन नाविकों को भी समर्पित है, जिन्होंने सदियों के आदान-प्रदान से दोनों देशों की प्रगति में योगदान दिया है।'

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह 29वां वैश्विक सम्मान है। वह भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें इतने देशों से सर्वोच्च सम्मान मिला है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द फर्स्ट क्लास ऑफ द ऑर्डर ऑफ ओमान, से सम्मानित किया जाना उनके कुशल नेतृत्व और एक वैश्विक नेता के रूप में उनकी स्वीकार्यता का एक बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी को लगातार मिल रहे ये सम्मान 140 करोड़ भारतीयों की ताकत और उनके नेतृत्व में एक बदले हुए राष्ट्र के रूप में भारत के उभरने का प्रमाण हैं।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान द फर्स्ट क्लास ऑफ द ऑर्डर ऑफ ओमान प्रदान किया जाना हम सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। उनके नेतृत्व में वसुधैव कुटुंबकम् की विशुद्ध भारतीय भावना भी है, जिसे वे विश्व में प्रसारित कर रहे हैं। इससे भारत और भारतीयों की सकारात्मक सोच की स्वीकार्यता बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

हत्याभियुक्त 4 गिरफ्तार, 1 अदद चाकू बरामद

आनंद मोहन मिश्रा, बलिया। पुलिस अधीक्षक बलिया महोदय ओमवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं आपराधियों के विरूद्ध तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) श्री कृपा शंकर के पर्यवेक्षण में व श्रीमान् क्षेत्राधिकारी बैरिया एवं प्रभारी निरीक्षक श्री विपिन सिंह के नेतृत्व में थाना बैरिया पुलिस को मिली सफलता। उल्लेखनीय है कि दिनांक 16.12.2025 को वादी मुकदमा द्वारा थाना स्थानीय पर एक प्रार्थना पत्र दिया कि अभियुक्तगण द्वारा लाठी- डंडे से वादी के परिवार वालों पर हमला करना तथा वादी के भाई को अभियुक्त सुशील शर्मा उर्फ अवनीश शर्मा पुत्र दीनानाथ शर्मा द्वारा जान से मारने की नीयत से पेट व पीठ में चाकू मारना तथा विपक्षीगण द्वारा जान से मारने की धमकी देना। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 488/2025 धारा 109(1), 191(3), 115(2), 351(3) बी0एन0एस0 इठर पंजीकृत किया गया। इसी क्रम में आज दिनांक 17.12.2025 को थाना बैरिया पुलिस टीम के व0उ0नि0 प्रभाकर शुक्ला मय हमराह पुलिस टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन में मामूर थे कि मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगण 1.सत्येन्द्र शर्मा पुत्र स्व0 बेनीमाधव शर्मा उर्फ ढोडा शर्मा 2. मुन्ना शर्मा पुत्र स्व0 बेनीमाधव शर्मा उर्फ ढोडा शर्मा 3.रमेश शर्मा पुत्र दीनानाथ शर्मा समस्त निवासीगण टेंगरही थाना बैरिया जनपद बलिया को ग्राम टेंगरही मंदिर के पास से समय 08.34 बजे व अभियुक्त सुशील शर्मा उर्फ अवनीश शर्मा पुत्र दीनानाथ शर्मा निवासी टेंगरही थाना बैरिया जनपद बलिया को ग्रीन फिल्ड मार्ग से 50 मीटर पहले समय 08.45 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सुशील शर्मा उर्फ अवनीश शर्मा के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 अदद चाकू को बरामद कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 4/25 आयुध अधिनियम की बढोत्तरी की गयी। अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

शातिर ठग रामअवतार यादव गिरफ्तार, देशी तमंचा व जालसाजी का सामान बरामद

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। थाना बहरियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने शातिर ठग रामअवतार यादव को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त लंबे समय से कीमती धातु की मूर्ति बताकर लोगों को ठगने का काम कर रहा था।

ठगी और धमकी का मामला: दिनांक 15 दिसंबर 2025 को वादी श्री अरविंद कुमार उर्फ विक्रम सिंह, निवासी ग्राम दसिया थाना रुदौली जनपद बस्ती द्वारा थाना बहरियाबाद में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि अभियुक्त ने कॉपर व अष्टधातु की कछुआ की कीमती मूर्ति बताकर लकड़ी का टुकड़ा दिखाया। जब वादी ने उसे लेने से मना किया तो अभियुक्त ने 4 लाख रुपये की मांग की और जान से मारने की धमकी देते हुए तमंचा दिखाकर जबरन बैठा लिया। इस दौरान अभियुक्त ने 2400 रुपये भी ले लिए। इस संबंध में थाना बहरियाबाद पर मु0अ0सं0 235/2025 धारा 127(2), 308(5), 318(4) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस की कार्रवाई : अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मुकदमे की विवेचना के दौरान थानाध्यक्ष श्री कृष्ण प्रताप सिंह ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने बहरियाबाद चौराहा के पास से अभियुक्त रामअवतार यादव को गिरफ्तार कर लिया।

सकल हिंदू समाज करेगा न्याय पंचायत व बस्ती स्तर पर विराट हिंदू सम्मेलन: आलोक

सोनभद्र। सकल हिंदू समाज आयोजन समिति सोनभद्र के द्वारा समस्त न्याय पंचायत तथा बस्तियों में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसके जरिए हिंदू समाज को संगठित किया जाएगा।आयोजन समिति के जिला संयोजक/अध्यक्ष आलोक कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि सकल हिन्दू समाज को संगठित करने, हिन्दू समाज में समरसता का भाव बढ़ाने,आपस में प्रेम सद्भाव एवं सुख-दुख में सहभागी बनाने, सकल हिन्दू समाज के सामूहिक शक्ति का प्रकटीकरण, हिन्दू धर्म, संस्कृति एवं समाज के पोषक विषयों को पूर्नस्थापित करने को लेकर यह आयोजन किये जा रहे हैं। उक्त आयोजन के मंच की संरचना के अनुसार मंच पर स्थानीय स्तर के एक पूजनीय संत संत समाज से,एक व्यक्ति सहोदर समाज/वंचित वर्ग से,एक महिला मातृ शक्ति से तथा आयोजन समिति का अध्यक्ष व मुख्य वक्ता अर्थात मंचस्थ कुल पांच अतिथि होंगे। जिले के आयोजन समिति का गठन किया जा चुका है जिसके अनुसार राजीव मिश्रा,अजीत रावत उपाध्यक्ष मणिकर्णिका कोल महामंत्री, नीतु संजीविआ कोषाध्यक्ष, पवन जैन व आनंद गुप्ता मंत्री,अजीत जयसवाल,प्रमोद गुप्ता, कीर्तन,बलदेव सिंह ,लालजी तिवारी,पारसनाथ मिश्र ,जगदीश पंथी,बलराम सोनी,धर्मवीर तिवारी,जंगली बाबा, हर्ष अग्रवाल सदस्य हैं।

मऊ-खुरहट रेल खण्ड के विद्युतीकृत लाइनों के साथ दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा संरक्षा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण परियोजनाओ के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के मऊ-शाहगंज दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अंतिम रेलखण्ड पर मऊ-खुरहट (12 किमी) खण्ड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना द्वारा ने 18 दिसम्बर, 2025 को इस रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उनके साथ पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, मंडल रेल प्रबंधक/वाराणसी श्री आशीष जैन, कार्यकारी निदेशक (रेल विकास निगम लिमिटेड) श्री विकास चन्द्रा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (रेल विकास निगम लिमिटेड) श्री आशुतोष शुक्ला सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने अपने निरीक्षण का आरंभ में खुरहट रेलवे स्टेशन पर दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण के अनुरूप इंटरलॉकिंग, संरक्षा गेयरों के बदलाव, स्टेशन वर्किंग रुल, रिले रूम के एक्सटेंशन, यार्ड में पड़ने वाले समपार फाटकों के दोहरीकरण के अनुरुप विस्तार तथा स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप प्लेटफार्मों एवं पैदल उपरिगामी पुल के क्लियरेंस तथा मानक सूची और उपलब्धता के अनुसार यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। खुरहट स्टेशन पर उन्होंने वी डी यू पैनल, रिले रूम, इंटिग्रेटेड पावर सप्लाई रूम आदि का निरीक्षण किया तदुपरांत श्री सक्सेना ने मोटर ट्रॉली से खुरहट यार्ड में ट्रेलिंग पवाइन्ट संख्या 102 बी की हाऊसिंग का निरीक्षण किया तथा गेज परीक्षण कर संरक्षा परखी, इसके पश्चात गेट संख्या 6सी पर पहुंचे और दोहरीकरण के अनुरूप गेट के विस्तार, बूम लॉक, इलेक्ट्रानिक चाभी हस्तांतरण का परीक्षण किया, इसके साथ ही उन्होंने गेट पर सेफ्टी टूल्स का निरीक्षण किया तथा कार्यरत गेट मैन शहनवाज अहमद का संरक्षा ज्ञान भी परखा। इसके बाद कट कनेक्शन के पास पड़ने वाले पवाइन्ट संख्या 121ए का गेज परीक्षण, हाऊसिंग एवं फेल सेफ प्रणाली का गहन निरीक्षण किया।

उपासना स्थलों पर नही लगेगा कर, किसी भी उपासना स्थलों पर कोई कार्यवाही प्रस्तावित नही: नगर आयुक्त

वाराणसी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने आज स्मार्ट सिटी के सभागार में उपासना स्थलों पर लगने वाले सम्पत्ति करों के सम्बन्ध में एक प्रेस वार्ता की गयी। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि नगर निगम, वाराणसी द्वारा उपासना स्थलों को गृहकर से मुक्त किया गया है तथा सीवरकर व जलकर में पचास प्रतिशत छूट दिया जायेगा। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया पूर्व में भवनों पर पृथक-पृथक गृहकर बिल एवं जलकल विभाग के द्वारा अलग से सीवरकर व जलकर के बिल जारी किये जाते थे। उ0प्र0 शासन द्वारा जारी आदेश दिनांक-09.05.2025 के अनुसार नगर निगमों में एकीकृत बिल जिसमें गृहकर, जलकर, सीवरकर एकीकृत बिल जारी किये जाने के निर्देश दिये गये थे। शासन के उक्त निर्देश पर पहली बार वित्तीय वर्ष 2025-26 में एकीकृत बिल जिसमें गृहकर, जलकर, सीवरकर (सम्पत्ति कर के रूप में) संयुक्त बिल जारी किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में शेष बचे लगभग 4 माह में लक्ष्य के

सापेक्ष वसूली करने हेतु रु0 20 हजार से अधिक के सम्पत्ति कर बकाये सभी भवनों पर डिमाण्ड आफ नोटिस जारी किया गया। नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा-175 एवं 177 में वर्णित है कि उपासना स्थलों पर गृहकर से मुक्त है, किन्तु जलकर, सीवरकर को अवमुक्त नही किया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत में फंसा युवक, खुद के अपहरण की रची साजिश

सिगरा पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

वाराणसी। आजमगढ़ निवासी एक युवक अमित चौहान की ऑनलाइन गेमिंग की लत ने उसे इतना परेशान कर दिया कि उसने खुद के अपहरण की फर्जी कहानी गढ़ ली। अहमदाबाद से वाराणसी ट्रेन में घर लौटते समय रास्ते में उसने ऑनलाइन गेम में 50 हजार रुपये हार गए। हार का सदमा बर्दाश्त न कर पाने के कारण उसने परेशानी से बचने के लिए घरवालों को अपने अपहरण की झूठी सूचना दे दी और 50 हजार रुपये की फिरौती मांग ली। परिजनों ने जब यह बात पुलिस को बताई तो वाराणसी पुलिस हरकत में आई और कुछ ही घंटों में युवक को सकुशल बरामद कर लिया।घटना का विवरण देते हुए एसीपी

चेतगंज डॉ ईशान सोनी (आईपीएस) ने बताया कि अमित चौहान अहमदाबाद से वाराणसी ट्रेन से आ रहा था। ट्रेन यात्रा के दौरान वह ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर जुआ खेलने लगा। लालच में आकर उसने बड़ी रकम लगा दी, लेकिन किस्मत साथ नहीं दी और वह 50 हजार रुपये हार गया। पैसे हारने के बाद वह घबरा गया। उसे डर सताने लगा कि घर पहुंचकर परिजनों से कैसे मुंह दिखाएगा और हारे हुए पैसे का हिसाब कैसे देगा। इसी डर से उसने एक खतरनाक प्लान बनाया। उसने घरवालों को फोन कर बताया कि उसका अपहरण हो गया है और अपहरणकर्ता उसे छोड़ने के लिए 50 हजार रुपये की फिरौती मांग रहे हैं।

मंडल रेल प्रबंधक ने देखी विकास कार्यों की प्रगति

विभिन्न स्टेशनों पर किया समीक्षात्मक निरीक्षण

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली, चन्दौली/डीडीयू नगर। मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु आज विभिन्न स्टेशन का निरीक्षण किया गया।

सुबह डीडीयू जंक्शन से निरीक्षण यान परख से चल निरीक्षण करते चले श्री मीना ने गुरारु, रफीगंज, अनुग्रह नारायण रोड, मोहम्मदगंज, हैदरनगर, जपला, नबीनगर एवं डेहरी ऑन सोन स्टेशनों पर रुककर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा उनके कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन परिसरों में यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में रेल परिचालन, संरक्षा, सिगनलिंग, ओएचई एवं ट्रैक की स्थिति का भी अवलोकन किया गया, ताकि स्टेशन विकास कार्यों के साथ-साथ परिचालनिक दक्षता भी सुनिश्चित रहे।

निरीक्षण के समय संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों में गति बनाए रखने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बिजलकर्मियो का निजीकरण के विरुद्ध आंदोलन के 385वें दिन भी जारी

वाराणासी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में लगातार चल रहे आंदोलन के आज 385वें दिन बनारस के बिजली कर्मियों ने एक बैठक भिखारीपुर स्थित यूनियन कार्यालय में आहूत कर निजीकरण के साथ ही संविदाकर्मियों के छटनी को लेकर अपनी रणनीति बनाई।

वक्ताओ ने बताया कि ऊर्जा प्रबन्धन लगातार जहाँ एक ओर उभोक्ताओ के अधिकटो का हनन कर जबरन स्मार्ट मीटर लगाकर पोस्टपेड संयोजन को प्रीपेड में बदल रहा है और नए संयोजन पर स्मार्ट मीटर का चार्ज वसूल रहा है जबकि कॉस्ट डाटा बुक में इसका प्रावधान ही नही है जबकि संसद में माननीय केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री जी द्वारा भी पोस्टपेड संयोजन को ही डिफॉल्ट मोड़ बताया गया है उसके बाद भी ऊर्जा प्रबन्धन लगातार उभोक्ताओ से साथ तानाशाही कर रहा है वही दूसरी ओर पूर्वांचल सहित अन्य डिस्कॉम का अळ&उ लॉस में लगभग 10प्रतिशत कमी के वावजूद संविदाकर्मियों की छटनी कर बिजली व्यवस्था बेपटरी कर उपभोक्ताओं की नजर में बिजलकर्मियो को नकारा साबित कर निजीकरण को बढ़ावा देने पर आमादा है ।

संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मा० योगी आदित्यनाथ जी से मांग की है कि व्यापक जनहित में बिजली की निजीकरण का परास्त निरस्त कराने के साथ ही मध्य प्रदेश सरकार की तरह ही ओबरा और अनपरा में लग रही नई बिजली इकाइयों को ज्वाइंट वेंचर के स्थान पर प्रदेश के व्यापक हित में राज्य विद्युत उत्पादन निगम को देकर प्रदेश की बिजली व्यवस्था सुदृढ़ बनाकर उपभोक्ताओं और बिजलकर्मियो कि नजर में अपनी छवि को निखारने के काम करें।

संघर्ष समिति ने मध्य प्रदेश सरकार का उदाहरण देते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने अमरकंटक बिजली घर में जॉइंट वेंचर में दो साल तक कोई काम न शुरू होने के बाद जॉइंट वेंचर समाप्त कर नई बनने वाली इकाई मध्य प्रदेश के उत्पादन निगम को देने का निर्णय लिया । यही स्थिति उप्र में भी आ गई है।

बरेका के संदीप यादव बने उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम के मुख्य कोच

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना, न केवल लोको निर्माण के क्षेत्र में बल्कि खेल की दुनिया में भी अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। बरेका बास्केटबॉल टीम के मुख्य कोच एवं मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्री संदीप यादव को उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल संघ द्वारा उत्तर प्रदेश की सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। श्री संदीप यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल की टीम 04 जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित 75वीं सीनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेगी। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की टीम का प्री-कोचिंग कैंप का आयोजन 18 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक आगरा में किया जाएगा, जिसमें श्री संदीप यादव उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। विदित हो कि श्री संदीप यादव पूर्व में उत्तर प्रदेश पुरूष एवं महिला अंडर 23 बास्केटबॉल टीम के कोच के रूप में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। इस उपलब्धि से बरेका के

खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में अत्यंत उत्साह एवं गर्व का माहौल है। यह उपलब्धि न केवल बरेका के लिए सम्मान का विषय है, बल्कि यह कर्मचारियों में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाली भी है। बरेका के जन संपर्क अधिकारी एवं सचिव, बास्केटबॉल श्री राजेश कुमार ने श्री संदीप यादव को इस दायित्व के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं टीम की उत्कृष्ट सफलता की कामना की है।

जनपद कारागार में आयोजित मासिक जेल लोक अदालत, 02 बंदियों के मुकदमें हुए निर्णीत: न्यायाधीश शैलेंद्र

सोनभद्र। जिला कारागार सोनभद्र का निरीक्षण, विधिक जागरूकता शिविर महिला बन्दियों के बावत मासिक जेल लोक अदालत का आयोजन शैलेन्द्र यादव, अपर जनपद न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र की अध्यक्षता में किया गया। 2 बंदियों ने अन्तिम रुप से जुर्म स्वीकार कर अपने मुकदमें निस्तारित करायें। जेल निरीक्षण के दौरान आलोक यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनभद्र, जेल अधीक्षक, अरुण कुमार मिश्र, जेलर अरविन्द कुमार सिन्हा, उप कारापाल गौरव कुमार एवं शशांक पटेल, जय प्रकाश, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सोनभद्र उपस्थित रहे।

जिला कारागार में आयोजित मासिक जेल लोक अदालत में आलोक यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनभद्र द्वारा कुल 08 मामले चिन्हित किये गये थे जिसमे से 04 मामलों में 04 अभियुक्त ने जुर्म स्वीकृति के आधार पर जेल लोक अदालत में अपना मामला निस्तारित कराया। अन्तिम रूप से 02. मुकंदमें निस्तारित हुए।

जिला कारागार में निरूद्ध सिद्धदोष बंदियों से एक-एक कर-के उनकी अपील के संबंध में बातचीत किया गया तथा उनके मुकदमों के संबंध में जानकारी ली गई। जेलर को निर्देशित किया गया कि ऐसे बंदियों जिनके पास अपने मुकदमें की पैरवी के लिए प्राइवेट अधिवक्ता रखने की आर्थिक स्थिति ना हो ऐसे बंदियों से बातचीत कर निःशुल्क अधिवक्ता हेतु उनका प्रार्थना पत्र नियमानुसार संबंधित न्यायालय/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र को प्राप्त करायें।

चलाया गया ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली, चन्दौली। डीडीयू नगर,रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू द्वारा ऑपरेशन आहट / ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत डीडीयू जंक्शन पर चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस दौरान डीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 03 पर गाड़ी संख्या 15636 अप ओखा एक्सप्रेस के सामान्य कोच से 07 नाबालिग लड़कों को रेस्क्यू किया गया। पूछताछ में पता चला कि सभी नाबालिग बिहार राज्य के किशनगंज एवं कटिहार जिलों के निवासी हैं और घर पर बिना बताए अहमदाबाद कपड़ा फैक्ट्री में काम करने जा रहे थे। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा तत्परता दिखाते हुए सभी नाबालिगों को सुरक्षित उतारकर आरपीएफ पोस्ट डीडीयू लाया गया। तत्पश्चात बचपन बचाओ आंदोलन एवं चाइल्ड लाइन डीडीयू के सहयोग से बच्चों की काउंसलिंग की गई तथा उनके परिजनों को सूचना दी गई। सभी नाबालिग बच्चों को अग्रिम कार्यवाही हेतु चाइल्ड लाइन डीडीयू के ऑन-ड्यूटी स्टाफ को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। प्रभारी निरीक्षक

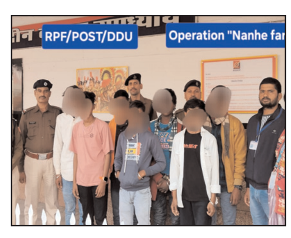

आरपीएफ डीडीयू प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व में इस अभियान में उप निरीक्षक अर्चना मीणा,सहायक उप निरीक्षक अरविंद सिंह, शरत चंद्र सिंह यादव,आरक्षी अजय पाल,बबलू कुमार,अशोक कुमार यादव बचपन बचाओ आंदोलन की चंदा गुप्ता आदि शामिल रहीं।

पशुपालकों के लिए खुशखबरी, नन्द बाबा दुग्ध मिशन से बढ़ेगी आय

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। पशुपालकों के लिए नन्द बाबा दुग्ध मिशन के तहत एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता एवं अधिक दूध उत्पादन करने वाली स्वदेशी नस्ल की गायों के पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाना और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है।

योजना के तहत गिर, साहीवाल, थारपारकर, हरियाणा एवं गंगातीरी नस्ल की गायों को शामिल किया गया है। यदि गाय प्रतिदिन 8 लीटर से 12 लीटर दूध उत्पादन करती है तो पशुपालक को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, वहीं 12 लीटर से अधिक दूध उत्पादन होने पर 15 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि देय होगी। यह योजना प्रदेश के सभी जनपदों में लागू है।

इस योजना में गाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ब्यात के लिए उसके जीवनकाल में एक बार प्रोत्साहन राशि मिलेगी। एक पशुपालक को अधिकतम दो गायों के लिए ही इस योजना का लाभ मिलेगा।

आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होना अनिवार्य है। योजना व्यक्तिगत लाभार्थी आधारित है, अतः किसी भी समूह, फर्म या संगठन को आवेदन की अनुमति नहीं होगी।

वाराणसी, 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2025
info@ujalasanchar.com ujalasanchar
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

अति उत्तम वाहिनी का पुरस्कार 39वीं वाहिनीं मिर्जापुर को मिला

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। आज लखनऊ में 17 दिसम्बर पीएसी स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर 35 वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ मे आयोजित विभिन्न प्रकार के आयोजित कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा उत्तर प्रदेश मे स्थापित 33 वाहिनियो के समस्त अधिकारियो कि उपस्थिति मे उत्तर प्रदेश के समस्त 33 वाहिनियो के चयन के क्रम मे नैपाल सिंह सेनानायक 39वीं वाहिनी पीएसी मिजार्पुर के कुशल नेतृत्व व निर्देशन के क्रम मे वाहिनी के समस्त अधिकारियो /जवानों के अथक परिश्रम, मेहनत से प्रदेश स्तर पर अति उत्तम वाहिनी का पुरस्कार प्रदान किया गया, जो कि 39वीं वाहिनी पी ए सी मिजार्पुर एवं जनपद मिजार्पुर के लिए बहुत ही गर्व का विषय है पीएसी स्थापना दिवस एवं अति उत्तम चयनित होने पर वाहिनी परिसर मे काफी हर्सोल्लास का माहौल ब्याप्त है !

पालिका कार्यालय के गेट पर उग्र महिलाओ का प्रदर्शन

महिलाओ ने न सुनुवाई का लगाया गंभीर आरोप

रिपोर्टर अनुप कुमार, अहरौरा। अहरौरा नगर पालिका अंतर्गत पट्टी कला वार्ड न एक मे अवैध रूप के भूमि कब्जा कर रहे दबंगो ने महिलाओ के विरोध पर महिलाओ को भगाया वही भय से महिलाये अहरौरा थाने पर प्रार्थना पत्र लेकर जब पहुंची तो प्रभारी निरिक्षक सदानंद सिंह ने बोला की अधिशाषी अधिकारी के छेत्र का मामला है वहां जाओ किन्तु हत प्रध कर देने का मामला आया कि जब महिलाओ ने बात चित के दौरान बताया कि अधिशाषी अधिकारी/पालिका अध्यक्ष ने कहा कि इसमें हम क्या कर सकते है तब अजीज होकर महिलाओ ने पालिका गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और विरोधभास की नारे भी लगाई। विरोध करने वाली महिलाओ मे पार्वती, आरती, लक्ष्मीना,मोनी पूनम अंजू रीता प्रभा सहित दर्जनों महिलाये उपस्थित रही।

झपटमारी करने वाले तीन बाल अपराधी पुलिस अभिरक्षा में

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। थाना करण्डा पुलिस ने झपटमारी की घटना में वांछित तीन बाल अपचारीगण को अभिरक्षा में लेकर बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। उपनिरीक्षक जनार्दन प्रसाद पासवान अपनी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर चोचकपुरझमेदनीपुर मार्ग पर जानकी मोड़ को जाने वाले कट के पास से तीनों बाल अपचारीगण को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए बाल अपचारी मु0अ0सं0 179/2025 धारा 304(2) बीएनएस के तहत वांछित थे और उनके द्वारा झपटमारी की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने बताया कि अभिरक्षा में लिए गए तीनों बाल अपचारीगण के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। करण्डा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

बाहरियाबाद दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। जिले से है जहां पर बहरियाबाद स्थानीय पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीते दिनों एक गांव निवासिनी युवती ने तहरीर देकर सदर के छावनी लाइन स्थित सरैयां निवासी प्रदीप सिंह कुशवाहा पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके मामले में आरोपी फरार चल रहा था। इस बीच सूचना के आधार पर एसआई रविन्द्र गोंड व कां. शैलेंद्र यादव ने आरोपी को वृन्दावन (जोरवट) स्थित वादिनी के घर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया गया।

सीडीओ पर विधायक ने लगाया भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव। विधायक ने सीडीओ के स्थानांतरण एवं उनके कार्यकाल के कार्यों और चल अचल संपत्ति की जांच करने की मांग। गाजीपुर जनपद के सैदपुर विधायक अंकित भारती ने जनपद के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) संतोष कुमार वैश्य पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक ने मुख्य सचिव को पत्र प्रेषित कर सीडीओ के स्थानांतरण के साथ-साथ उनके कार्यकाल के कार्यों और चल अचल संपत्ति की जांच करने की मांग की है पत्र के माध्यम से विधायक अंकित भारती ने मुख्य सचिव को बताया कि मैं जनहित में अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में विभिन्न स्थलों पर हाई मास्ट लाईट नियमानुसार स्थापित कराने हेतु मुख्य विकास अधिकारी, जनपद गाजीपुर को समय-समय पर प्रस्ताव प्रेषित किया। मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर द्वारा समय-समय से प्रस्तावित हाईमास्ट लाइटों को विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं/ठेकेदारों के माध्यम से स्थापित इस शर्त पर करायी गयी कि स्थापित हाई मास्ट लाइट की तिथि से अगले 05 वर्ष तक कार्यदायी संस्थाओं की मरम्मत की जिम्मेदारी होगी। कोई लाइट खराब होती है तो उसे सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा अगले 05 वर्ष तक ठीक करायी जायेगी। इस प्रकार स्थापित लाइटें समय-समय पर खराब होने के कारण जनता द्वारा अवगत कराने के उपरान्त मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर को पत्र दिनांक 01. 05.2024. 18.08.2024, 25.02.2025, 15.03.2025, 14.05.2025, 11.07.2025 एवं 10.11.2025 को खराब लाइटों को ठीक कराने को लेकरअनुरोध किया गया। परन्तु जबसे श्री संतोष कुमार वैश्य, मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर, जनपद गाजीपुर में कार्यभार ग्रहण किए है तब से इनके द्वारा इस प्रकरण में कोई रुचि नहीं ली गयी। इस सम्बन्ध में इनसे मौखिक रूप से भी आग्रह किया गया। विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत खराब हाई मास्ट लाइटों को ठीक कराने के लिए जिला परियोजना अधिकारी गाजीपुर द्वारा एक-दो बार सम्बन्धितों को पत्र प्रेषित कर मात्र औपचारिकताएं पूर्ण की गयी। प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कोई रूचि न लेने ठोस कार्यवाही न करने के कारण स्थापित सैकड़ों हाई मास्ट लाइटें सालों साल से खराब होने के कारण जनता में काफी आक्रोश है। जिला-गाजीपुर में संतोष कुमार वैश्य जब से मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किये है।

पूरे देश में पिछड़ों दलितों की लड़ाई लड़ती रहेगी राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभाः हरिमोहन यादव

बलिया संवाददाता। राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिमोहन यादव जी ने कहा है कि राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा पूरे देश में पिछड़ों दलितों की लड़ाई को पूरी प्रमुखता से पूरे देश में लड़ती रहेगी और पिछड़ों दलितों के हक हुकूमत की आवाज को बुलन्द करती रहेगी इसके लिए देश के सभी प्रदेश के अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है और उन सबको यह कहा गया है कि आप सभी मुखर होकर पूरे प्रदेश में कही भी पिछड़ों दलितों के साथ जुल्म अत्याचार और अन्याय व शोषण होने पर उनके साथ पूरी तत्परता से संगठित होकर उनकी लड़ाई को अवश्य लड़ते रहे और उनका हर प्रकार से समुचित सहयोग करते रहे। यही राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा का सपना है राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री यादव जी ने कहा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब मजलूम शोषित पीड़ितों को इंसाफ

न्याय दिलाना ही राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा का सपना है। साथ ही साथ आज कल देश में लागातार पिछड़ों दलितों के साथ हो रहे जुल्म अत्याचार और हो रहे शोषण पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपनी चिंता जाहिर की है और केंद्र व राज्य की सरकार को निशाने पर लिया है।

ग्राम विकास अधिकारी पर नकाबपोश बदमाशों का जानलेवा हमला, इलाके में दहशत

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, लाठी-डंडों से बेरहमी से की पिटाई, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती। गाजीपुर दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के तिरछी गांव से आगे नहर के पास मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तीन नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने एक ग्राम विकास अधिकारी पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय खरवार पुत्र जंगली खरवार, निवासी मंझनपुर कला, पोस्ट चौजा, तहसील जखनिया, थाना भुड़कुड़ा, जनपद गाजीपुर, वर्तमान में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर गाजीपुर सदर में तैनात हैं। मंगलवार

सुबह लगभग 9:30 बजे वह अपनी बाइक से ड्यूटी के लिए गाजीपुर जा रहे थे। जैसे ही वे तिरछी से आगे नहर के पास पहुंचे, वहां पहले से घात लगाए तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें रोक लिया । बताया जाता है कि हमलावर लाठी-डंडों से लैस थे। उन्होंने अचानक विजय खरवार पर हमला कर दिया, जिससे वे बाइक से गिर पड़े। इसके बाद तीनों बदमाशों ने उन पर बेरहमी से लाठियां बरसाईं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हमला कर बदमाश मौके से फरार हो गए ।

पीड़ित विजय खरवार ने बताया कि हमलावर नकाबपोश थे, इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी। हालांकि उन्होंने गांव मंझनपुर कला निवासी विजय प्रकाश सिंह से पुराने विवाद का जिक्र करते हुए इस हमले के पीछे उसी का हाथ होने की आशंका जताई है। पीड़ित का आरोप है कि विजय प्रकाश सिंह द्वारा पूर्व में कई बार जान से मारने की धमकी दी गई थी और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर उन्हें डराया-धमकाया जाता रहा है ।

इस मामले में जब दुल्लहपुर थाना अध्यक्ष कमलेश कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनसे फोन पर बात नहीं हो सकी। वहीं सर्किल अधिकारी चोभ सिंह से जानकारी लेने पर उन्होंने घटना से अनभिज्ञता जाहिर की।

सैदपुर सीएचसी में अपर स्वास्थ्य निदेशक का औचक निरीक्षण

लापरवाही पर जताई नाराजगी, सुधार के दिए सख्त निर्देश

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। ज़िले से है जहां पर सैदपुर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण मंडल के स्वास्थ्य अपर निदेशक ने किया और कुछ खामियां मिलने पर नाराजगी जाहिर कर सुधार करने का निर्देश दिया। दोपहर सीएचसी पहुंचे अपर स्वास्थ्य निदेशक सबसे पहले इमरजेंसी वार्डों में पहुंचे और वहां का हाल देखा। मरीजों से उन्हें मिली चिकित्सकीय सुविधाओं के बाबत जानकारी ली। इसके बाद उनको दी गई दवाओं को भी देखा और किसी तरह की समस्या के बाबत पूछताछ की। वहां से संतुष्ट होकर वो एक्स-रे कक्ष में पहुंचे। वहां मशीनों को देखकर ओपीडी कक्ष

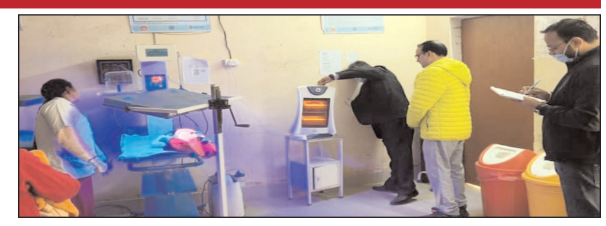

में पहुंचे और मरीजों से पूछताछ की। इसके बाद महिला वार्ड में गए और वहां का भी हाल जाना। इसके बाद एनबीएसयू वार्ड में गए तो वहां रूम हीटर किसी चीज पर रखा था तो उसे वहां से उतरवाकर दीवार पर टांगने का निर्देश दिया। वहां से वो अस्पताल में ही बने पोलियो सेंटर पर पहुंचे और वहां मौजूद कर्मी से जानकारी ली और उपलब्ध वॉयल के बारे में जानकारी ली। पूछा कि ये केंद्र खुद से बनाया है कि आधिकारिक तौर पर बनाया गया है। वहां से जानकारी ले वो इमरजेंसी कक्ष के सामने पहुंचे और वहां दवाओं का स्टॉक देखा और आवश्यक दवाओं को फ्रिज में रखने का दिशा निर्देश दिया। वहां से ओटी में गए और वहां का हाल जाना और आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कार्यालय में गए। वहां सभी की उपस्थिति पंजिका देखी और वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

दिव्य व सभ्यता के साथ खादी उत्सव का अपर जिलाधिकारी द्वारा किया गया सफल समापन

अपने उद्देश्य में सफल रहा खादी उत्सव : अपर जिलाधिकारी

मीरजापुर। उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा बी०एल०जे० ग्राउण्ड महुवरिया, मीरजापुर में आयोजित खादी एवं स्वावलम्बन उत्सव 2025-26 मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी अपर जिलाधिकारी द्वारा गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व खादी उत्पादकों, दुकानदारों एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टालों के उत्पादों के अवलोकन व महत्व पर चर्चा किया गया।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खादी एक वस्त्र ही नहीं अपितु विचार धारा है। आज शासन-प्रशासन खादी बोर्ड की विभिन्न योजनाओं में युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर कर उन्हें रोजगार हेतु अनुदान प्रदान कर रहा है। खादी मेला में प्रदेश व देश के विभिन्न हस्तशिल्प उद्योगों को एक मंच मिल रहा है। उन्होंने ग्राहकों से अपील की कि वे स्थानीय भाइयों आजीविका को बढ़ावा देने हेतु अपने मनपसंद की चीजों को खरीदें। उन्होंने केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर महत्व देते हुए बताया कि खादी बोर्ड के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा युवाओं को रोजगार देने पर बल दिया गया। उन्होंने ग्राहकों को धन्यवाद दिया कि आप सब खादी को अपनाकर अपनी आवश्यकता व पसंद की चीजों की खरीद कर अपने उत्पादक भाई-बहनों के हाथों को मजबूती दे रहे हैं।

खादी उत्सव की प्रदर्शनी को दिव्यता व भव्यता के साथ शानदार व सफल समापन पर अपर जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश कुमार सिंह, अनिल कुमार वर्मा, वरिष्ठ सहायक पवन कुमार, वरिष्ठ सहायक महेश कुमार मौर्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खादी प्रदर्शनी द्वारा वोकल फॉर लोकल व ओडीओपी योजनाओं को बल मिला है। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश कुमार सिंह ने अतिथियों व ग्राहकों को आभार व धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि 08 दिसम्बर 2025 से 17 दिसम्बर 2025 तक आयोजित 10 दिवसीय खादी मेले के द्वारा खादी के उत्पादों, स्थानीय हस्तशिल्प व खादी विचार धारा का प्रचार-प्रसार किया गया।

गोवध से संबन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

बलिया। उल्लेखनीय है कि दिनांक 17.12.2025 को समय लगभग 23.00 बजे थाना बैरिया पुलिस रात्रि गश्त में मामूर थी कि मुखबीरखास की सूचना पर ब्रह्मबाबा स्थान चांददीयर पीपल के पेड़ के नीचे चौतरे के पास गोवध से संबन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में प्रयासरत थी कि अभियुक्त द्वारा अपने को पुलिस से घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया गया, पुलिस पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में बदमाश अमित यादव पुत्र राजनाथ यादव निवासी ग्राम कोहड़ा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर उम्र करीब 21 वर्ष के बायें पैर में गोली लगी है। पूछताछ के क्रम में ज्ञात हुआ कि घायल बदमाश दिनांक 17.12.2025 को ट्रक नं0 वढ62 ळ 4025 में 23 गोवंश पशुओ को क्रूरतापूर्व लादकर वध करने व अधिक दाम पर बेचने हेतु बिहार लेकर जा रहा था जो कि ठेकहा ढाला के पास ट्रक खड़ा करके पुलिस को चकमा देकर भाग

गया था। घायल बदमाश अमित यादव पुत्र राजनाथ यादव निवासी ग्राम कोहड़ा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर का सीएचसी सोनबरसा अस्पताल में ईलाज चल रहा है। पकड़े गये बदमाश के कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 01 अदद खोखा कारतूस व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ हैं । अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

जहर छोड़ो, जीवन बचाओ!.. सैदपुर डायट में गूंजा जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। ज़िले से है जहां पर सैदपुर नगर स्थित डायट सभागार में शिक्षकों, एआरपी व डायट प्रशिक्षुओं के दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि प्रदर्शनी व पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नोडल डॉ मंजर कमाल ने कहा कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पर्यावरण से गहराई से जुड़ी हुई है। बदलते समय में रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों को देखते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिसमें प्रशिक्षुओं व शिक्षकों द्वारा जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जल संरक्षण

मॉडल, पौधरोपण तकनीक, फसल चक्र, मृदा परीक्षण, वर्षा जल संचयन, औषधीय पौधों तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध मॉडल और चार्ट बनाकर लगाए गए थे। जिसे देखकर लोग जानकारी हासिल कर रहे थे। इस दौरान लगाए गए स्टालों का डायट प्रवक्ताओं द्वारा अवलोकन किया गया। उन्होंने विद्यालय स्तर पर पर्यावरण मित्र गतिविधियों के तहत पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और हरित विद्यालय अवधारणा को लागू करने पर जोर दिया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण व सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर नवल गुप्ता, राजवंत सिंह, बृजेश कुमार, आलोक कुमार, डॉ अनामिका, शिवकुमार पांडेय, अभय चंद्रा, डॉ अर्चना सिंह, डॉ सर्वेश राय, हरिओम यादव, आलोक तिवारी, राकेश कुमार, डॉ शाजिया रशीदी आदि रहे।

दिल्ली सड़क हादसे में सपा विधायक के भतीजे की हुई मौत

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जमानियां विधानसभा क्षेत्र से विधायक ओमप्रकाश सिंह के इकलौते भतीजे तथा छोटे भाई शैलेश सिंह के पुत्र रघुराज प्रताप सिंह का दिल्ली में एक सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया। इस दुखद समाचार के मिलते ही गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

दिल्ली में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

परिजनों के अनुसार रघुराज प्रताप सिंह दिल्ली में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रघुराज प्रताप सिंह के असमय निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा

हुआ है और परिजन गहरे सदमे में हैं। घटना की सूचना मिलते ही रिश्तेदारों और शुभचिंतकों का तांता लग गया।

जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक

इस हृदयविदारक घटना पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

बीएसए ने सहायक लेखाकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई

बलिया ब्यूरो-अवधेश यादव, बलिया। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पैन कार्ड में भिन्नता से संबंधित एक महत्वपूर्ण पत्रावली गायब हो गई है। इस मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) मनीष कुमार सिंह ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बेलहरी, बलिया के सहायक लेखाकार मनीष कुमार ओझा के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई है। प्रकरण इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर याचिका संख्या-8285/2025 (मनोज कुमार यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार एवं तीन अन्य) से जुड़ा है। उच्च न्यायालय के 20 अगस्त 2025 के आदेश के अनुपालन में प्रतिवाद शपथ-पत्र दाखिल करने के लिए यह पत्रावली

आवश्यक थी।पत्रावली उपलब्ध न होने पर, 26 अगस्त 2025 को संबंधित पटल सहायक धर्म सिंह (शिविर सहायक) और उनके कार्यालयाध्यक्ष, सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), आजमगढ़ मंडल, आजमगढ़ को पत्र लिखकर पत्रावली उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।धर्म सिंह ने 19 अगस्त 2025 को एक पत्र के माध्यम से सूचित किया कि संबंधित पत्रावली मनीष ओझा के पास है। इसके बाद, कार्यालय ने 30 सितंबर 2025 को मनीष कुमार ओझा को पत्रावली उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, लेकिन ओझा ने 03 अक्टूबर 2025 को पत्र के जरिए पत्रावली के संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त की।पत्रावली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, बीएसए द्वारा 14 अक्टूबर 2025 को एक त्रिस्तरीय समिति का गठन किया गया।

समिति ने संबंधितों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर आगे की कार्रवाई की संस्तुति दी। 14 नवंबर 2025 को राजन राम (वरिष्ठ सहायक) और अनिल प्रकाश राय (वरिष्ठ सहायक) से भी पत्रावली के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया, जिन्होंने भी मनीष ओझा के पास पत्रावली होने की बात कही।

सम्पादकीय

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

महेन्द्र सोनकर
संपादक

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है। नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

> अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही।

आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है।

मानसिकता और कार्यक्षमता को प्रभावित करती वर्चुअल मीटिंग्स

डिजिटल क्रांति ने कार्यदिवस के परंपरागत समय सीमा को बदलकर ही रख दिया है। कहने को तो छह या सात घंटे का कार्यदिवस होता है पर वर्चुअल युग में कर्मचारी 24 गुणा 7 के दौर में आ गया है। इससे कार्मिकों की मानसिकता और सामाजिक-इकोनोमिक ताने-बाने को भी प्रभावित किया है। एक समय था जब शीर्ष या पहली दूसरी कतार के अधिकारियों की जिम्मेदारी अधिक होती थी और उनके लिए समय सीमा नहीं होती थी पर अब तो वर्चुअल सुविधाओं के चलते दिन हो या रात रविवार हो या शनिवार कभी भी कहीं भी एक मैसेज मात्र से आपको एक्टिव होकर कैमरे के सामने आना पड़ता है। दरअसल कोरोना काल ने यह परिवर्तन दिया है। भारत सहित दुनिया के देशों में अभी भी कार्मिकों के लिए कार्यदिवस पांच या छह दिवस के हैं तो कार्यसमय भी मानने को तो सुबह 9.30 से सायं बजे 6 या दूसरे शब्दों में औसतन लगभग सात घंटे का है पर डिजिटल क्रान्ति ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। देखा जाए तो अब असीमित कार्य दिवस का दौर आ गया है। वास्तविकता तो यह है कि डिजिटल डिवाइसों के उपयोग के बाद से कमोबेस कार्यदिवस 24 गुणा 7 हो गये हैं तो कार्य समय भी तय समय सीमा के बंधन से मुक्त हो गया है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कराये गये वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट 2025 में यह खुलासा हो गया है कि अब कार्मिक चाहे वह किसी भी स्तर का हो के लिए चाहे निजी क्षेत्र में हो या सरकारी क्षेत्र में तय समय सीमा बीते जमाने की बात हो गई है। ई-मेल, चैट, वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स, सोशल मीडिया संदेश आदि को समग्र रुप से देखने से अब कार्मिक 24 घंटे का कार्मिक हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार सुबह छह बजे से ही व्यक्ति अपनी ई-मेल टटोलने लगता है तो सर्वाधिक प्रोडक्टिविटि का समय 11 बजे के लगभग में काम के स्थान पर ई-मेल का प्रेशर 54 प्रतिशत तक बढ़ जाता है सायं तीन बजे बाद ई-मेल, चैट या अन्य संदेशों की आवक कम होने लगती है। वैश्विक औसत की बात की जाये तो 100 से अधिक ई-मेल से दो चार होना पड़ता है कार्मिक को। हर दो मिनट में मेल, चैट या अन्य संदेश कार्मिक के कार्य में बाधा उत्पन्न करता है। इसका कारण यह होता है कि उसे काल, ई-मेल या संदेश चैक करने या उससे दो चार होना ही पड़ता है। हालात यह है कि रात को भी ई-मेल या संदेश का सिलसिला जारी रहने से अब कार्यालयीय वातावरण से दूर परिवार के व्यैयक्तिक क्षण तो कल्पना की बात होती जा रही है।

डिजिटल क्रांति के चलते मीटिंग्स खासतौर से वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स सुविधाजनक होने के साथ ही कार्मिकों के तनाव का कारण भी बनती जा रही है। हांलाकि वैश्विक ट्रेंड के अनुसार मंगलवार को सर्वाधिक मीटिंग्स होती है इनमें खासतौर से एडहॉक मीटिंग्स अधिक होती है तो शुक्रवार को अपेक्षाकृत मीटिंग्स का दबाव कम होता है। सबसे खास बात यह कि औसतन 10 में से एक मिटिंग तो बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक तय होती है। एक और खास यह कि वर्चुअल मीटिंग्स सुविधाजनक होने और अपना संदेश संबंधित सभी तक पहुंचाने का बेहतरीन माध्यम होने के बावजूद यह तनाव का कारण तो बनता ही है इसके साथ ही गुणवत्ता पर भी प्रश्न लगाये जाने लगे हैं। इसको इस तरह से समझा जा सकता है कि दस में से एक मीटिंग लास्ट टाइम बुक की जाती है तो मीटिंग्स में प्रस्तुत होने वाले पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन में मीटिंग के दस मिनट पहले तक आंषिक बदलाव या अपडेशन होता है। यह कोई किसी एक पक्ष यानी सरकारी या गैर सरकारी प्रतिष्ठान की बात या किसी देष विशेष की बात ना होकर वैश्विक वास्तविकता है। विशेषज्ञों की माने तो अंतिम समय तक प्रजेंटेशन में बदलाव का मतलब ही यह है कि गुणवत्ता कहीं ना कही प्रभावित हो रही है। वैश्विक आंकड़े तो यही कहते हैं कि अंतिम समय में पीपीटी में अपडेशन या संशोधन में 122 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्चुअल मीटिंग का सिलसिला दरअसल कोरोना महामारी के दौर से अधिक सामने आया है और इसे समय और धन बचाने में सहायक माना जाता है पर मीटिंग्स के दौर जिस तरह से बढ़ने लगे हैं उससे कार्मिक सूचनाएं संग्रहित करने और उसमें अपने बचाव के उपाय खोजने में ही अपनी अधिकांश कार्यक्षमता व्यय कर देता है और परिणाम स्वरुप कार्य में गुणवत्ता और उत्पादकता में कमी आना स्वाभाविक माना जाने लगा है।

माइक्रोसॉफ्ट की हालिया रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि डिजिटल युग को देखते हुए अब कार्मिकों के कार्यदिवस को नए सिरे से रिडिजाइन करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। इसका प्रमुख कारण कार्मिकों शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना और सामाजिकता और वैयक्तितता पर विपरीत प्रभाव पडना प्रमुख हो जाता है। समय बेसमय मोबाइल या इसी तरह की डिवाइस पर अंगुलियां चलाने से प्रभावित हो रहे हैं। काम का दबाव, सूचनाओं के संग्रहण में ही समय जाया होने, वर्चुअल मीटिंग्स में सार्वजनिक रुप से जलालत की संभावना, आंखों में सूखापन और सामाजिक व व्यक्तिगत संबंध बाधित होना आम होता जा रहा है।

बेहतर प्रदर्शन से विधानसभा चुनावों में खुलेगी राह!

केंद्रीय सत्ता पर ग्यारह वर्षों से लगातार काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए दक्षिण भारत के चार राज्य प्रश्न प्रदेश रहे हैं। कर्नाटक में उसकी सत्ता आती-जाती रही है। आंध्र प्रदेश में अकेलेदम उसके सांसद और विधायक जीतते भी रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके और अन्नाद्रमुक के साथ दो बार चार सांसद लोकसभा पहुंचाने में भी कामयाब रही। लेकिन उसके लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण केरल रहा है। लेकिन लगता है कि अब दक्षिण के इस दुर्ग में भी अहम सेंध लगाने में राष्ट्रवादी पार्टी कामयाब हो चुकी है। वामपंथ के गढ़ राज्य की राजधानी तिरुअनंतपुरम् नगर निगम पर कब्जे के साथ भाजपा ने ना सिर्फ इतिहास रच दिया है, बल्कि खुद की उम्मीदें भी बढ़ा दी हैं।

सुरम्य वादियों और साफ-सफ्फाक समुद्री तटों के साथ हरियाली के चलते केरल को ह्यभगवान का अपना देशह्व भी कहा जाता है। इस केरल की 54 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू है, जबकि करीब साढ़े फीसद आबादी मुसलमान है। बाकी करीब 19 प्रतिशत ईसाई हैं। भगवान के अपने देश और जनसांख्यिकी आंकड़ों के लिहाज से केरल भारतीय जनता पार्टी के लिए मुफीद भूमि रहा है। लेकिन यहां भारतीय जनता पार्टी अब तक बड़ी करामात नहीं दिखा पाई है। बेशकर राष्ट्रीयय स्वयंसेवक संघ यहां काफी सक्रिय है। फिर भी यहां की राजनीति दो ध्रुवीय रही है। एक तरह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी-सीपीएम की अगुआई वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस की अगुआई वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा। भाजपा यहां तीसरा कोण बनाने की कोशिश अरसे से करती रही है। लेकिन उसे पहली बार सफलता साल 2016 के विधानसभा चुनावों में मिली। तब पार्टी के वरिष्ठ नेता ओ राजगोपाल तिरुअनंतपुरम् सीट से चुने गए। तब पार्टी को करीब दस फीसद वोट मिला, लेकिन अगले यानी 2021 के चुनावों में पार्टी को मायूसी हाथ लगी। लेकिन वोट बढ़कर करीब बारह फीसद हो गए। 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की उम्मीद जगी, जब लोकप्रिय मलयाली अभिनेता सुरेश गोपी त्रिशूर सीट से पार्टी के टिकट पर विजयी हुए। गोपी इन दिनों केंद्र सरकार में राज्य मंत्री का दायित्व निभा रहे हैं। बेशक पार्टी को केरल में लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली, लेकिन पार्टी की वोट हिस्सेदारी बढ़कर 16 हो गई। लोकतांत्रिक राजनीति में सोलह प्रतिशत वोट मामूली बात नहीं होती। कह सकते हैं कि इसके बाद ही पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ना शुरू हुआ।

राज्य में बीजेपी की कमान राजीव चंद्रशेखर के हाथ है। केरल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के लिए उनकी अगुआई में पार्टी ने जमकर पसीना बहाया। इसका नतीजा राजधानी तिरुअनंतपुरम् नगर निगम पर पार्टी का तकरीबन कब्जे के रूप में सामने आया है। तिरुअनंतपुरम्-नगर निगम में 101 वार्ड हैं, जिनमें से 50 पर पार्टी के पार्षद जीते हैं। पैंतालिस सालों से इस निगम पर जिस वाममोर्चे का कब्जा रहा, उसे महज 29 सीटें मिलीं हैं, जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को 19 सीटें मिली हैं। बाकी दो सीटों पर निर्दलीयों ने बाजी मारी है। केरल की राजनीति की जिसे समझ है, उन्हें पता है कि यहां वाममोर्चा और कांग्रेस साथ नहीं आ सकते। ऐसे में निर्दलीयों के समर्थन से बीजेपी का मेयर चुना जाना तकरीबन तय है। पार्टी ने कोझिकोड और कन्नूर जैसे वामपंथी गढ़ों में भी सेंध

> राज्य में बीजेपी की कमान राजीव चंद्रशेखर के हाथ है। केरल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के लिए उनकी अगुआई में पार्टी ने जमकर पसीना बहाया। इसका नतीजा राजधानी तिरुअनंतपुरम नगर निगम पर पार्टी का तकरीबन कब्जे के रूप में सामने आया है। तिरुअनंतपुरम नगर निगम में 101 वार्ड हैं, जिनमें से 50 पर पार्टी के पार्षद जीते हैं

लगाने में कामयाब हुई है। यहां पार्टी ने क्रमशः 13 और 4 सीटें जीतीं हैं। पिछली बार पलक्कड़ नगर पालिका पर उसका कब्जा हुआ था और उस पर उसने अपना नियंत्रण बरकरार रखा है। साथ ही उसने त्रिपुनिथुरा नगर पालिका को भी वाममोर्चे से छीन लिया है। हालांकि पिछली बार जीती पंडालम नगर पालिका को वाममोर्चा ने उससे छीन लिया है। बीजेपी को इस बार कुल पंद्रह फीसद से ज्यादा मत मिले हैं, जबकि उसके साथी दलों का मत प्रतिशत मिला दिया जाए तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बीस फीसद वोट हासिल हुआ है। राज्य में 941 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से पिछली पार पार्टी को 19 पर जीत मिली थी, इस बार पार्टी ने इसमें सात सीटों पर बढ़त मिली है।

राज्य में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनावों के ठीक पहले राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने पार्टी को भारी जीत भले ही न दिलाई हो, लेकिन उत्साहजनक जरूर हैं। ये नतीजे पार्टी के लिए आने वाले दिनों की सफलताओं की बुनियाद हो सकते हैं। हालांकि कांग्रेस समर्थकों की ओर से तिरुअनंतपुरम् की जीत के लिए बीजेपी की बजाय कांग्रेस के नाराज चल रहे सांसद शशि थरूर को दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तो इसे शशि थरूर की बीजेपी की कृपा भी बताया जा रहा है। हो सकता है कि शशि थरूर की कांग्रेस नेतृत्व से मायूसी के संदेश ने बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की मदद की हो, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि आखिर शशि थरूर को मनाने की कोशिश क्यों नहीं हुई। वैसे जीत के चाहे जो भी कारण रहे हों, अंततः सम्मान विजेता का ही होता है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तो बीजेपी पर तंज भी कस रहे हैं। इस तंज में कांग्रेस की खीझ देखी जा रही है। माना जा रहा है कि बीजेपी की बढ़त से कांग्रेस की चिंता बढ़ रही है।

केरल के मौजूदा स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों के दो स्पष्ट संकेत हैं। पहला यह है कि नगरीय इलाकों में दबदबा रखने वाले वाममोर्चे के दुर्ग में बीजेपी ने सेंध लगा दी है। दूसरा संदेश यह है कि ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे ने अपना दबदबा बढ़ा दिया है। वैसे भी राज्य के ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस का पहले से ही ज्यादा असर रहा है, जबकि शहरी इलाकों में सीपीएम की अगुआई वाले मोर्चे का। केरल के ग्रामीण और शहरी इलाके को देश के दूसरे हिस्सों की तरह कम पढ़ी-लिखी और पढ़ी-लिखी आबादी के आधार पर नहीं बांट सकते। केरल में शत-प्रतिशत साक्षरता है। इसका मतलब यह है कि वहां ग्रामीण और शहरी आबादी में पढ़ाई को लेकर कोई अंतर नहीं है। फिर भी राजनीतिक समर्थक आधार को लेकर दोनों आबादी की सोच में अंतर रहा है। इसके बुनियादी कारणों में से एक कारण शहरी स्वशासन भी रहा होगा। शहरी आबादी प्रगतिशील सोच वाली रही होगी, लेकिन जिस तरह शहरों में बीजेपी ने सेंध लगाई है, उससे साफ है कि प्रगतिशील सोच वाले वर्ग में उसकी पैठ बढ़ रही है। ऐसे में बीजेपी के विस्तार से बड़ी चिंता कांग्रेस की बजाय वाममोर्चे की होनी चाहिए। वैसे भी बीजेपी के पूरे विकास को देखें तो जहां समाजवादी विचारधारा वाली पार्टियां रहीं हैं, वहां बीजेपी ने उनके ही आधार वोट बैंक पर कब्जा किया है। मध्य प्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा जैसे राज्यों में बीजेपी ने समाजवादी आधार वोट बैंक को खत्म कर दिया है। लेकिन इन राज्यों में उसकी बड़ी विरोधी कांग्रेस ही है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि केरल में भी भाजपा के विस्तार की कीमत वाममोर्चे का वजूद हो सकता है।

अगले विधानसभा चुनावों में केरल में भाजपा भले ही बड़ी जीत ना हासिल कर सके, लेकिन वह महत्वपूर्ण उपस्थिति जरूर दर्ज कराएगी।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

नवागत कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन से मिले युवा नेता आदित्य सिंह, दी बधाई

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। भाजपा के युवा नेता आदित्य सिंह ने देश की राजधानी में नवागत कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन से मिलकर उन्हे बधाई दी। आदित्य सिंह ने कहा कि भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नीतिन नबीन सबसे युवा अध्यक्ष हैं। देश के युवा अपने युवा नेता के साथ मिलकर विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

काशी जोन के 5 चौकी प्रभारियों समेत 9 उपनिरीक्षकों का तबादला

वाराणसी। कानून व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस स्थापना बोर्ड के अनुमोदन के उपरांत डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने नौ एसआई का ट्रांसफर किया है। सभी को तत्काल नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। काशी विद्यापीठ चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार का स्थानांतरण थाना चेतगंज किया गया है। इसी तरह नगवां चौकी प्रभारी शिवाकर मिश्रा को चौकी प्रभारी काशी विद्यापीठ बनाया गया है। चौकी प्रभारी संकटमोचन अभिषेक सिंह को चौकी प्रभारी नगवा बनाया गया है। सिगरा थाना में तैनात महिला उपनिरीक्षक शिप्रा सिंह को चौकी प्रभारी संकटमोचन बनाया गया है। चौकी प्रभारी रामस्वरूप सिंह को चौकी प्रभारी सुंदरपुर बनाया गया है। चेतगंज थाना में तैनात उपनिरीक्षक रवि सिंह को चौकी प्रभारी शीतला घाट बनाया गया है। इसी तरह चौकी प्रभारी संकटमोचन प्रेमलाल सिंह का भेलूपुर थाने में स्थानांतरण किया गया है। भेलूपुर थाना में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा का लंका थाना स्थानांतरण किया गया है।

क्र0सं0	पीएनओ	पदनाम/ नाम	वर्तमान नियुक्ति	नवीन तैनाती	टिप्पणी
1	192766210	उ0नि0 जितेन्द्र कुमार	चौ0प्र0 काशी विद्यापीठ, थाना-सिगरा	थाना-चेतगंज	रिक्ति के सापेक्ष
2	192766190	उ0नि0 शिवाकर मिश्रा	चौ0प्र0 नगवा, थाना-लंका	चौ0प्र0 काशी विद्यापीठ, थाना-सिगरा	रिक्ति के सापेक्ष
3	192766119	उ0नि0 अभिषेक सिंह	चौ0प्र0 संकटमोचन, थाना-लंका	चौ0प्र0 नगवा, थाना-लंका	रिक्ति के सापेक्ष
4	224111302	म0उ0नि0 शिप्रा सिंह	थाना-सिगरा	चौ0प्र0 संकटमोचन, थाना-लंका	रिक्ति के सापेक्ष
5	192766542	उ0नि0 राम स्वरूप सिंह	चौ0प्र0 शीतलघाट, थाना-दशाश्वमेध	चौ0प्र0 सुन्दरपुर, थाना-चितईपुर	रिक्ति के सापेक्ष
6	234210233	उ0नि0 रवि सिंह	थाना-चेतगंज	चौ0प्र0 शीतलघाट, थाना-दशाश्वमेध	रिक्ति के सापेक्ष
7	231061359	उ0नि0 हरिशंकर सिंह	थाना-दशाश्वमेध	चौ0प्र0 नमोघाट, थाना-आदमपुर	रिक्ति के सापेक्ष
8	960450352	उ0नि0 प्रेमलाल सिंह	चौ0प्र0 सुन्दरपुर, थाना-चितईपुर	व0उ0नि0 थाना-भेलूपुर	रिक्ति के सापेक्ष
9	900450123	व0उ0नि0 घनश्याम मिश्रा	व0उ0नि0 थाना-भेलूपुर	व0उ0नि0 थाना-लंका	रिक्ति के सापेक्ष

डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद हरकत में आया प्रशासन

मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक हटवाया अतिक्रमण, दी सख्त चेतावनी

वाराणसी। डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल ने मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक अभियान चलाया। इस दौरान अवैध अतिक्रमण हटवाया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही।

पातालपुरी मठ में हुई बैठकः डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल ने मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक अभियान चलाया। इस दौरान अवैध अतिक्रमण हटवाया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही। दरअसल, डोमराज परिवार ने मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर अवैध अतिक्रमण पर आक्रोश व्यक्त करते हुए 72 घंटे बाद काशी में शवदाह बंद करने की चेतावनी दी थी। आरोप लगाया था कि दोनों श्मशान घाटों पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। इससे काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यदि 72 घंटे के अंदर अतिक्रमण नहीं हटवाया गया तो महाश्मशान पर शवदाह बंद कर देंगे। डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल ने मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक अभियान चलाया। इस दौरान अवैध अतिक्रमण हटवाया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही। डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। बुधवार को एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी, जोनल अधिकारी मृत्युंजय नारायण मिश्रा, चौक थाना प्रभारी दिलीप कुमार मिश्रा, नगर निगम की परिवर्तन दल की टीम तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल घाटों पर पहुंचा। टीम ने मणिकर्णिका घाट से लेकर सिंधिया घाट तक के क्षेत्रों का निरीक्षण किया और अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम शुरू किया।

गाजीपुर-मऊ लाइन विस्तारीकरण और व्यस्त रेलवे क्रासिंगों पर ओवर ब्रिज के सांसद संगीता बलवंत ने सदन में

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। राज्यसभा सांसद डा. संगीता बलवंत बिन्द ने आज सदन में जनपद की सबसे ज्यादा व्यस्त प्रमुख रेलवे क्रॉसिंग दिलदारनगर, भदौरा, दुल्लहपुर, सैदपुर, सहेड़ी, महराजगंज बाजार और फुल्लनपुर पर ओवर ब्रिज या अंडर पास बनवाने की माँग की। इन जगहों पर रोजाना हजारों वाहन और पैदल यात्री रेलवे फाटक बंद होने से घंटों फंस जाते हैं इससे न केवल समय बर्बाद होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। राज्यसभा सांसद ने बताया की इन रेलवे कासिंगों से हजारों की संख्या में लोग प्रतिदिन रेलवे फाटक बंद होने से भीषण जाम का सामना कर रहे हैं।ब्रिज या अंडर पास बनने से इन जगहों पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और लोगों की यात्रा आसान बनेगी। साथ ही राज्यसभा सांसद डा. संगीता बलवंत ने गाजीपुर झ मऊ रेल लाइन विस्तारीकरण परियोजना को पुनः चालू कराने की माँग की। डा. संगीता बलवंत ने सदन में माँग रखते हुए कहा कि जनपद गाजीपुर का रेल मार्ग दिलदारनगर, ताड़ीघाट अंग्रेजी शासन के समय लगभग 1880 ई में बनाया गया था जहां 2 वर्ष पूर्व तक ताड़ीघाट रेलवे स्टेशन भी सक्रिय था पूर्व के सरकारों में भी ताड़ीघाट रेलवे स्टेशन से गाजीपुर सिटी व मऊ तक रेल लाइन का विस्तार करना एवं गंगा नदी में पुल बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन पूर्व के सरकारों ने इसे कभी बनाया नहीं, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का 2014 में कार्यकाल प्रारंभ हुआ जिसमें तत्कालीन रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा जी के प्रस्ताव पर उपरोक्त रेल मार्ग के विस्तारिकरण एवं गंगा नदी में डबल डेकर रेल सह रोड ब्रिज परियोजना की आधारशिला 14 नवंबर 2016 को माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा रखी गई, कुछ ही वर्षों में ताड़ीघाट से गाजीपुर सिटी तक रेल मार्ग एवं गंगा नदी में पुल का निर्माण कर लिया गया परंतु अभी संज्ञान में आया है कि उक्त प्रस्तावित रेल मार्ग जो गाजीपुर सिटी से मऊ तक है जो दिल्ली हावड़ा लाइन को वाराणसी मऊ छपरा लाइन से जोड़ने वाली थी इस परियोजना को बंद कर दिया गया है। उपरोक्त परियोजना को पुनः प्रारंभ कर गाजीपुर सिटी से मऊ तक रेल मार्ग विस्तारीकरण की मांग राज्यसभा सांसद ने जोरदार तरीके से रखी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पूर्वांचल और जनपद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

स्कूल वैन पलटी, 9 बच्चे घायल

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई, जिससे वैन में सवार 9 बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे मरदह थाना क्षेत्र के पड़िता गांव में हुआ। डालम्मिन स्कूल मऊ की वैन बच्चों को लेने जा रही थी। गांव के वार्ड नंबर 7 स्थित काली माता मंदिर के पास अचानक एक मवेशी सामने आ गया। मवेशी को बचाने के प्रयास में चालक जितेंद्र ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वैन सड़क किनारे करीब 3 फीट गहरी खाई में पलट गई। वैन पलटते ही बच्चों की चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद राहगीरों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को वैन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया

गया, जहां उनका उपचार किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक भी मौके पर और अस्पताल पहुंच गए। उपचार के बाद बच्चे खतरे से बाहर बताए गए और अभिभावक उन्हें अपने घर ले गए।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, गांव में पसरा मातम

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन मार्ग पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा मऊ जिले के बढ़ुआ गोदाम के पास हुआ, जहां खड़े डंपर से बाइक टकरा गई। हादसे में मरदह थाना क्षेत्र के मटेहू गांव निवासी गुलशन यादव और जितेंद्र राजभर की मौके पर ही मौत हो गई।

मजदूरी कर लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार दोनों युवक मऊ में मजदूरी कर देर रात बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान घने कोहरे में उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को जिला अस्पताल मऊ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शवः घटना की सूचना मिलते ही सरायलखंसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मऊ भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम द्दष्टया हादसे का कारण कोहरा और सड़क पर खड़ा डंपर बताया जा रहा है।

परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़ः गुलशन यादव की शादी दो साल पहले ही हुई थी। बीस दिन पूर्व उसकी पत्नी सुधा यादव ने एक बच्ची को जन्म दिया था। गुलशन की मौत से पत्नी, माता जयमूर्ति देवी और पिता सीताराम यादव का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

बलुआ घाट जमानियां के सौंदर्यीकरण कार्य का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। जमानिया कस्बा बाजार के उतर वाहिनी मां गंगा तट पर स्थित बलुआ घाट का सौंदर्यीकरण प्रारंभ हो रहा है। जिसका भूमि पूजन बुधवार की शाम 4.00 बजे आदर्श नगर पालिका जमानिया के अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने पूजन अर्चन और नारियल फोड़कर कर किया। सौंदर्यीकरण का कार्य वंदन योजना के अंतर्गत लागत लगभग राशि 37 लाख रुपए से किया जाएगा।

जयप्रकाश गुप्ता ने बताया कि जब से नगर पालिका जमानिया में यहां की जनता ने कमल के फूल वाला बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष को चुना है तब से केंद्र की मोदी सरकार और राज्य में योगी सरकार के नेतृत्व में नगर पालिका क्षेत्र में लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं और आज इस घाट का भूमि पूजन किया है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा, मक्कर सक्रांति का स्नान, जीवित्पुत्रिका व्रत के स्नान के वक्त यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बहुत कष्ट होता था अब घाट के विस्तार हो जाने से समस्या कम हो जाएगा। उक्त अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता संतोष पांडेय, श्री कुमार वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता,कमल निगम,सभासद रोहित शर्मा,राहुल वर्मा,आशीष वर्मा,भाजपा के मीडिया प्रभारी संजीत यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

गाजीपुर जखानिया खबर का हुआ असरः जनविरोध के आगे झुका विभाग, आखिरकार भुड़कुंडा में सड़क-नाली निर्माण पर PWD ने लिया संज्ञान

गाजीपुर। गाजीपुर ज़िले से है जहां पर तहसील जखनिया अंतर्गत कोतवाली भुड़कुंडा से बाजार स्थित रेलवे क्रॉसिंग तक हो रहे सड़क चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। जखनियाझमनिहारी मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे इस कार्य को लेकर स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न संगठनों ने बीते दिनों खुलकर विरोध दर्ज कराया था। नागरिकों का आरोप था कि सड़क एवं नाली निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है, जिससे भविष्य में दुर्घटनाओं और जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

बताया जा रहा है कि सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ नाली निर्माण का कार्य भी चल रहा है, लेकिन नाली की गहराई, ढलान, ढक्कन एवं निर्माण सामग्री को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। इस मुद्दे को स्थानीय अखबारों के माध्यम से भी प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर गया। खबरों के असर के बाद आखिरकार लोक निर्माण विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान लिया।

इस परिप्रेक्ष्य में समाजसेवी डॉ. एम. खालिद से हुई अधिकारियों की वार्ता में ढहऊ के जिम्मेदार अधिकारियों ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि नाली का निर्माण पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण कराया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि जहां-जहां तक आबादी क्षेत्र है, वहां तक नाली को पूर्ण रूप से ढककर ही निर्माण कराया जाएगा, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री देवनारायण सिंह, बार एसोसिएशन जखनिया के पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा उठाए गए विरोध को सार्वजनिक हित से जुड़ा बताते हुए इसे गंभीरता से लिया। अधिकारियों ने मार्ग निर्माण कर रही फर्म/ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए कि सड़क एवं नाली निर्माण का कार्य विभागीय मानकों के अनुरूप ही पूरा किया जाए और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ढहऊ द्वारा शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए ठेकेदार को तत्काल दिशा-निर्देश जारी किए जाने के बाद जखनिया बाजार के निवासियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों, संघर्ष समिति के सदस्यों तथा बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं में संतोष और खुशी का माहौल है।

लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व ग्राम प्रधान श्री पारसनाथ सिंह का बी. एच. यू. में हुआ निधन

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। खबर गाजीपुर ज़िले से है जहां पर मनिहारी ब्लॉक स्थित सुजनीपुर निवासी लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व ग्राम प्रधान श्री पारसनाथ सिंह जी का कल वाराणसी के बी. एच. यू. मे निधन हो गया। जिनके जाने से क्षेत्र वाशियो में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

श्री पारसनाथ सिंह जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र समाज और गांव की सेवा को समर्पित रहा जिसके चलते वह गांव के कई बार ग्राम प्रधान रहकर लोगों की सेवा की। उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव सुजनीपुर ले जाया जा रहा है जहां उन्हें पुलिस बल द्वारा अंतिम सलामी दी जाएगी एवं राष्ट्रध्वज द्वारा सम्मान से उनकी अंतिम विदाई की जाएगी। उनके चले जाने से परिवार ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

मा0 मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मा0 मंत्रीगण व अन्य जनप्रतिनिधियो के द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्रो का प्राथमिकता पर अधिकारी ससमय उपलब्ध कराएं जवाब: जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने कर करेत्तर, मुख्य देय/विविध देय/राजस्व वसूली कार्य प्रगति की समीक्षा कर दिसम्बर माह के अन्त तक लक्ष्य के सापेक्ष 75 प्रतिशत वसूली पूर्ति करने का दिया निर्देश

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार मे अधिकारियो के साथ बैठक कर कर करेत्तर, विविध देय, मुख्य देय व अन्य राजस्व वसूली के प्रगति की समीक्षा की तथा सभी तहसीलदारो व कर करेत्तर से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि दिसम्बर माह के अन्त तक प्रत्येक दशा मे अधिकारी/तहसीदार/उपजिलाधिकारी अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली प्रगति को 75 प्रतिशत तक प्रगति लाना सुनिश्चित करें अन्यथा अगले माह की समीक्षा बैठक में कम वसूली वाले विभागीय अधिकारी पर कार्यवाही की जाएगी। बैठक मे जिला आबकारी अधिकारी के अनुपस्थित रहने तथा उनके विभाग से किसी प्रतिनिधि के न रहने पर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारो को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक तहसीलवार दस-दस बड़े बकायेदारो की सूची बनाते हुए वसूली की कार्यवाही की जाए न जमा करने पर उनके प्रापर्टी/सम्पत्ति की कुड़की कराते हुए नीलामी कराकर वसूली की धनराशि को जमा कराया जाए। मड़िहान तहसील में विगत माह तक बड़े बकायेदारो से कोई वसूली न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा तहसीलदार को निर्देशित किया कि वसूली के प्रति कार्यवाही सुनिश्चित करें। तहसीदार द्वारा बताया गया कि कुछ बकायेदारो पर कुड़की की कार्यवाही की गई है जिसके सापेक्ष 23 दिसम्बर 2025 को नीलामी की कार्यवाही हेतु तिथि निर्धारित की गई है। कर करेत्तर की वसूली में वाणिज्य कर की सबसे खराब तत्पश्चात परिवहन की वसूली खराब होने पर सम्बन्धित अधिकारियो पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ससमय वसूली का लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वाणिज्य कर मे वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 37 प्रतिशत वसूली की गई है विद्युत में 40 प्रतिशत वसूली लक्ष्य के सापेक्ष बताया गया कि जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत से कहा कि विद्युत लाइन लास को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागो मे भी विद्युत बकाया बिलो की वसूली सुनिश्चित कराई जाए जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने बकाये बिल धनराशि जमा करना सुनिश्चित करें।

मुख्य विषय वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान पर मंडल विज्ञान माडल प्रतियोगिता हुई सम्पन्न

पांच बाल वैज्ञानिको के माडल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किये गये चयनित

मीरजापुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीग परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता मे संचालित जिला विज्ञान क्लब मिजार्पुर के तत्वाधान मे पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज मिजार्पुर मे मंडल स्तरीय विज्ञान माडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शकक्षा 09 से12 तक के विद्यार्थी अपने जनपद स्तर की प्रदर्शनी से चयनित होकर मंडल स्तर पर अपने इन्नोवेटिव विज्ञान माडल की प्रस्तुति विषय विशेषज्ञो के समक्ष प्रस्तुत की। मंडल स्तर पर मिजार्पुर एवं सोनभद्र के छात्रों ने प्रतिभागिता की। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने किया। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने सभी छात्रों के विज्ञान माडलो के बारे मे जानकारी ली एवं उनको उसमे कुछ अच्छा करने के लिए भी प्रेरित किया, एवं छात्रों का हौसला बढ़ाया । विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार दीक्षित ने सभी का स्वागत किया। जिला समन्व्वयक सुशील कुमार पाण्डेय से जिला विज्ञान क्लब द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की।

शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं डार्क सर्कल्स

जिद्दी डार्क सर्कल्स (काले घेरे) से कई लोग परेशान रहते हैं। कई लोगों का मानना है कि डार्क सर्कल्स बढ़ती उम्र की निशानी होते हैं, लेकिन डार्क सर्कल्स केवल आंखों की त्वचा की समस्या नहीं हैं, बल्कि शरीर की थकान और असंतुलन का संकेत देते हैं। शरीर की थकावट का सीधा असर आंखों पर पड़ता है और काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। डार्क सर्कल्स को वात और पित्त के असंतुलन से जोड़कर देखा गया है। शरीर में वात और पित्त के असंतुलन, रस धातु की कमी, रक्त की अशुद्धि, पाचन शक्ति का कमजोर होना और अत्याधिक तनाव लेने से आंखों के नीचे काले घेरे बनने शुरू हो जाते हैं। खराब जीवनशैली और गंदा खान-पान भी इसके मुख्य कारण हैं। आयुर्वेद में डार्क सर्कल्स को कम करने के प्रभावी तरीके बताए गए हैं।

डार्क सर्कल्स का सीधा संबंध शरीर के हाइड्रेशन से होता है। डार्क सर्कल्स ना हों इसके लिए पूरे दिन खूब सारा पानी पीएं और शरीर को अंदर से साफ रखें। पेशाब के जरिए शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और शरीर फिल्टर होना शुरू कर देता है। आंखों और चेहरे के निखार के लिए पेट का साफ होना भी जरूरी है। आंतों में फंसी गंदगी शरीर के कई रोगों का कारण बनती है। इसके लिए सुबह खाली पेट आंवला का रस या आंवला चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर गर्म पानी के साथ लें। इससे पेट साफ रहेगा ।

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए बाहरी उपाय भी जरूरी हैं। इसके लिए मुलेठी, मंजिष्ठा, गुलाब की पत्तियां और मीठे बादाम के तेल को एक साथ गर्म कर लें और इस मिश्रण को छानकर एक शीशी में भर लें। रात के समय सोने से पहले इस तेल से आंखों के आस-पास मसाज करें। मसाज सर्कुलर मोशन में करें। इससे धीरे-धीरे डार्क सर्कल्स कम होने लगेंगे। इसके अलावा रात के समय ही देसी घी में दो बूंद गुलाब जल मिलाकर भी आंखों के आस-पास मसाज की जा सकती है। इससे आंखों की थकान कम होगी, रक्त संचार बढ़ेगा और झुर्रियां भी कम होंगी ।इसके साथ ही पूरी नींद लेना जरूरी है। कम से कम 7 घंटे की नींद जरूरी लें और बेवजह के तनाव से बचें। तनाव की वजह से पेट, मन और मस्तिष्क तीनों बुरी तरीके से प्रभावित होते हैं।

गर्म मोजे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं या सिर्फ भ्रम? फिजीशियन ने खोला राज, जानें सच्चाई

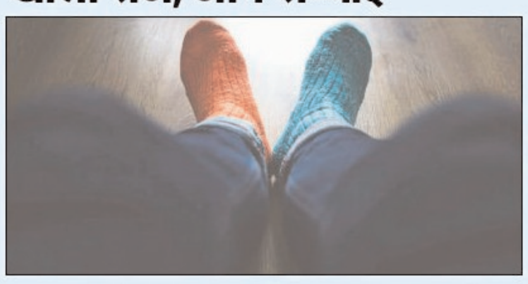

क्या गर्म मोजे वास्तव में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं? फिजीशियन बताते हैं कि गर्म मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार नहीं बढ़ाते, बल्कि ठंड में शरीर द्वारा रक्त वाहिकाओं को संकुचित करने से रोककर अप्रत्यक्ष रूप से इसे बेहतर बनाए रखते हैं, खासकर कमजोर ब्लड सर्कुलेशन वाले लोगों और डायबिटिक मरीजों के लिए।

सर्दियों के दौरान सबसे ज्यादा ठंडे हमारे पैर रहते हैं। ठंड के मौसम में अचानक से पैर एकदम ठंडे हो जाते हैं। इसके पीछे डायबिटीक न्यूरोपैथी में होने वाली जलन से लेकर सुन्नपन तक, हमारे पैरों की सेहत हमारे पूरे शरीर की सेहत से गहराई से जुड़ी होती है। इस मौसम में ठंडे पैरों को गर्म रखने के लिए अक्सर लोग घर के अंदर भी गर्म मोजे पहनना पसंद करते हैं। कई लोगों को मानना होता है कि पैरों को गर्म रखने के लिए खून का प्रवाह अपने आप तेज हो जाता है। हालांकि, कुछ लोगों को मानना है कि यह केवल एक मिथ है और गर्म मोजे पहनने से सर्कुलेशन पर कोई असर नहीं दिखता है। आइए आपको बताते हैं पूरी सच्चाई क्या है?

क्या गर्म मोजे पहनने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट ने मोजे सीधे तौर पर रक्त संचार को नहीं बढ़ाते, लेकिन वे कई तरीकों से इसे बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। ठंड बढ़ने पर शरीर रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है, जिससे पैरों में रक्त प्रवाह कम हो जाता है। ऐसे में गर्म मोजे शरीर से निकलने वाली गर्मी को रोकते हैं, जिससे ब्लड वैसेल्स के अत्यधिक संकुचन की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस तरह वे अप्रत्यक्ष रूप से रक्त संचार को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसलिए ठंड के मौसम में गर्म मोजे एक प्रकार के थर्मल प्रोटेक्शन की तरह काम करते हैं।

गर्म मोजे पहनने के फायदे

– गर्म मोजे पहनने से कई फायदे तो जरुर मिलते हैं, जैसे कि– जिन लोगों का ब्लड सर्कुलेशन कमजोर हो।

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

पसंदीदा खाना भी खाएं और बिंज ईटिंग भी रोकें, जानें स्मार्ट तरीका

अगर आप वेट लॉस पर हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग कहीं ना कहीं आपकी सारी जर्नी को खराब कर सकती है। हालांकि, बिंज ईटिंग कई वजह से हो सकती है, कभी स्ट्रेस, कभी बोरियत, कभी हार्मोन्स तो कभी सामने अपना फेवरिट फूड देखकर रुका ही नहीं जाता। फिर बाद में बस गिल्ट ही होता है।

अमूमन लोग सोचते हैं कि बिंज ईटिंग रोकने के लिए उन्हें अपने फेवरेट फूड्स को खाना बंद करना पड़ेगा। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप अपने फेवरेट फूड से दूरी बनाते हैं तो ऐसे में दिमाग उतना ज्यादा उसी खाने के बारे में सोचता रहता है। फिर क्रेविंग इतनी हाई हो जाती है कि हम कंट्रोल ही नहीं कर पाते। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हों, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपना पसंदीदा खाना खाते हुए भी बिंज ईटिंग को आसानी से मैनेज कर सकते हैं–

खुद को खाने की दें परमिशन

अक्सर यह देखा जाता है कि लोग अपने पसंदीदा खाने से लगातार दूरी बनाते हैं, लेकिन इससे उनका माइंड उसे ज्यादा खाने की इच्छा करता है। इसलिए, खुद को खाने की परमिश नें। आप अपने पसंदीदा स्नैक का एक छोटा सा हिस्सा जरूर खाएं। जब आपके माइंड को यह लगता है कि उसका पसंदीदा खाना उसके लिए अवेलेबल है तो ऐसे में क्रेविंग अपने आप कम होने लगती है।

स्मार्टली खाएं अपना खाना

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए कम खाना शुरू कर देते हैं, ऐसे में क्रेविंग और बिंज ईटिंग बहुत ज्यादा होने लगती है। इसलिए, आप कम खाने की जगह स्मार्ट खाना शुरू करें। अपने हर मील में फाइबर, प्रोटीन व गुड फैट को शामिल करें। ऐसे में आपका पेट भरा रहेगा और आपको जंक फूड की क्रेविंग कम होंगी।

भूल से भी मील स्किप ना करें

अगर आप वजन कम करने के चक्कर में या फिर अपने कैलोरी काउंट को कम करने के लिए मील स्किप करते हैं तो ऐसे में बिंज ईटिंग और क्रेविंग्स को मैनेज करना काफी मुश्किल होगा। इसलिए, दिनभर में तीन मेन मील्स जरूर लें। साथ में, एक या दो लाइट व हेल्दी स्नैकिंग जरूर करें। जब आप टाइम से अपनी मील्स लेते हैं और वह फाइबर व प्रोटीन रिच होता है तो बिंज ईटिंग की इच्छा नहीं होती है।

एनवायरनमेंट पर भी दें ध्यान

आमतौर पर हम सभी बिंज ईटिंग तब सबसे ज्यादा करते हैं, जब हमें खाना सामने दिखता है। इसलिए, बिंज ईटिंग को मैनेज करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने एनवायरनमेंट को भी हेल्दी बनाओ। जंक व अनहेल्दी फूड को आंखों के सामने से दूर रखो। इसकी जगह किचन में फलों को रखें, जो आपको आसानी से दिख जाएं। साथ ही, आप अपने फेवरेट स्नैक को छोटे पैक में रखें, ताकि आप ओवरईटिंग करने से बच जाएं।

एक महीने चावल छोड़ा, तो शरीर में दिखे ये 3 बड़े बदलाव, आप भी हो जाएंगे हैरान!

एक महीने तक चावल छोड़ने पर शरीर में पांच बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं, जैसे वजन में कमी, शुगर लेवल कंट्रोल, और पेट में हल्कापन। शुरुआती 10 दिनों में ये असर दिखते हैं, हालांकि तीसरे हफ्ते तक चावल की क्रेविंग हो सकती है।

क्या आपने कभी सोचा है कि 1 महीने तक चावल छोड़ने के बाद शरीर पर कैसा प्रभाव होगा। अगर आप एक महीने तक चावल का सेवन नहीं करेंगे तो इसका असर आपके ओवरऑल वॉडी पर जरुर दिखता है। अक्सर होता है कि थकान, चेहरे पर सूजन , अचानक से भूख लगना और हमेशा से सुस्ती महसूस करना कई बार चावल खाने से भी हो सकता है। अगर आप 1 महीने के लिए चावल छोड़ देंगे तो यह आपको काफी आसान लग सकता है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ते गए तो मन में आया कि क्यों न एक कटोरी चावल खा लें। आइए आपको बताते हैं चावल न खाने से क्या होता है।

पहले 10 दिन में दिखेंगे ये असर

चावल छोड़ना इतना आसान नहीं

चावल खाना हर किसी के बेहद पसंद है। तीसरा हफ्ते तक रात में गर्मा-गरम चावल चावल की क्रेविंग्स होने लगती है। चावल की खुशबू याद आने लगती है। चावल न खाने से कई बार मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन तो कभी-कभी बिना वजह गुस्सा, कभी उदासी महसूस होती है।

वजन में तुरंत हल्की कमी

जब पहले हफ्ते में वजन मशीन पर वेट चेक करोंगे तो आपको अपना वजन से पहले से कम दिखेगा। क्योंकि चावल में सबसे ज्यादा कार्ब होते हैं, जो शरीर में पानी रोकते हैं। इसे हटाते ही शरीर हल्का होने लगता है।

शुगर लेवल हुआ कंट्रोल

पहले 10 दिन चावल न खाने से आपको आपके शरीर में ब्लड शुगर अचानक से ऊपर-नीचे नहीं होगा। यह शुगल लेवल को कंट्रोल करेगा।

पेट में हल्कापन

जब आप पेट भर के खाना खाते हैं, तो भारीपन जरुर महसूस होता है, हालांकि चावल छोड़ने के बाद पेट एकदम हल्का महसूस होने लगा।

चावल के हेल्दी ऑप्शन

आप चाहे तो चावल के जगह पर क्विनोआ, ओट्स,मल्टीग्रेन दलिया जैसे ऑप्शन अपनाने शुरु किए, तब शरीर में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

- पेट अच्छे से साफ होता है।
- सुबह उठना भी आसान रहता है।
- थकान गायब होने लगी।
- वजन कम होने लगा।

एक महीन के बाद आप शारीरिक और मानसिक दोनों रुप से हल्का महसूस करेंगे। वहीं, डाइटिशियन ने बताया है कि वैसे चावल सेहत का दुश्मन नहीं है। बस सही मात्रा और सही समय पर खाना जरूरी है।

ठंड में बार-बार बीमार पड़ते हैं, घर पर बनाएं ये जादुई अदरक-लहसुन सूप, डायबिटीज और हार्ट के लिए भी वरदान

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में लोग जल्दी बीमार पड़ते हैं। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होना एक आम समस्या है। इसलिए इम्यूनिटी को बढ़ाना बेहद जरूरी है। हालांकि मार्केट में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ढेर सारी ड्रिंक्स और खाद्य पदार्थ मौजूद हैं। लेकिन बाहर की ड्रिंक्स पीने से अच्छा है कि आप घर पर ही पोषक तत्वों से भरपूर ड्रिंक बनाएं। बता दें कि अदरक और लहसुन का सूप इम्यून सिस्टम को रफ्तार देने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

खासतौर पर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लोग अदरक-लहसुन के सूप का सेवन करते हैं। इस सूप में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह सूप डायबिटीज मरीज के लिए काफी लाभकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही कुछ अन्य फायदों और इसकी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं अदरक-लहसुन का सूप

अदरक-लहसुन के सूप को घर पर बनाना काफी आसान है।

इस सूप को बनाने के लिए सबसे पहले 5-6 लहसुन की कलियां लें और 2-3 अदरक के छोटे टुकड़े।

अब इन दोनों चीजों को पीसकर पेस्ट बना लें।

फिर गैस पर कढ़ाई चढ़ाकर इसको भूनें और आप चाहें तो इसको घी से भी भून सकती हैं।

अब आप इसमें अपनी पसंदीदा सामग्री जैसे धनिया, गाजर आदि डालें। फिर इसमें जरूरत के हिसाब से पानी डालें और इसको चलाते रहें।

इस सूप को गाढ़ा करने के लिए आप इसमें थोड़ा सा आटा मिलाएं।

फिर करीब 5 मिनट तक इसको चलाएं।

इस आसान विधि से आपका अदरक-लहसुन का सूप तैयार है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक

लहसुन और अदरक दोनों ही इम्यूनिटी को बढ़ाने में काफी कारगर हैं। लहसुन में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी सेप्टिक और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं, जोकि संक्रमण से लड़ते हैं और इम्यून सिस्टम की कार्यक्षमता को बढ़ाने में कारगर हैं।

वहीं रात के समय लहसुन और अदरक का गर्म सूप पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। अदरक में एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इनको कूटकर पीने से शरीर को जबरदस्त फायदा मिलता है।

हार्ट के लिए हेल्दी

अदरक और लहसुन दोनों ही हृदय के लिए लाभकारी होता है। सूप में अदरक की मात्रा होने से यह सूप एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भर जाता है। जो धमनियों में होने वाली सिकुड़न और कोलेस्ट्रॉल को रोकता है। इस सूप के सेवन से उच्च रक्तचाप की समस्या नहीं होती है और खून भी साफ होता है। लहसुन में पाए जाने वाले पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू रखते हैं और हृदय की कोशिकाओं को भी क्षति पहुंचने से रोकते हैं। इस सूप को नियमित रूप से पीने से हृदय में होने वाली अन्य समस्याओं कोसों दूर रहती हैं।

डायबिटीज के लिए कारगर

खासतौर पर डायबिटीज के रोगियों को यह सूप पीना चाहिए। इससे उनका ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। अदरक की मात्रा आपके शरीर में बढ़े हुए शुगर लेवल को घटाता है और ए1 सी नामक हीमोग्लोबिन को भी कंट्रोल करती है। इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। वहीं लहसुन टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम करता है। एक रिसर्च के मुताबिक लहसुन का सेवन डायबिटीज के खतरे को कम करता है। यह सूप डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है।

राम सेतु से टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर लॉन्चः पैरामोटर से ब्रिज के ऊपर घुमाया गया

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर की शुरुआत राम सेतु के ऊपर की गई। इस मौके पर दो-सीटर पैरामोटर के जरिए ट्रॉफी को आसमान में ले जाया गया, जिसने इस लॉन्च को

ऐतिहासिक और यादगार बना दिया। भारत में एडम्स ब्रिज को राम सेतु के नाम से जाना जाता है। यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ टूर्नामेंट के दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका को जोड़ता भी है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले 29 दिनों तक खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और मैच भारत व श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर आयोजित किए जाएंगे। टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी एशिया के ओमान, नेपाल जैसी देशों का भी दौरा करेगी।

राम सेतु ब्रिज ही क्यों चुना गया

राम सेतु भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका ही होस्ट कर रहे हैं, इसलिए यह स्थान दोनों देशों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में टूर्नामेंट की भावना को साफ तौर पर दर्शाता है। आईसीसी ने इस ट्रॉफी टूर को सिर्फ एक प्रचार अभियान नहीं, बल्कि दुनिया भर के फैंस को जोड़ने वाली यात्रा बताया है। राम सेतु का अर्थ ही जोड़ना है, और यही संदेश क्रिकेट के जरिए देशों और लोगों को काउंसिल देना चाहता है।

आरआर के लिए खेलना घर जैसा महसूस होगा, जोधपुर के रवि बिश्नोई 7.2 करोड़ में रॉयल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने एक शानदार होमकमिंग पूरी करते हुए भारतीय लेग-स्पिनर और

राजस्थान के मूल निवासी रवि बिश्नोई को ?7.2 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। जोधपुर से ताल्लुक रखने वाले बिश्नोई रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में साबित हो चुकी गुणवत्ता और नई ऊर्जा जोड़ते हैं। राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर रवि बिश्नोई ने कहा,'राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर पर खेलने जैसा महसूस होगा। मैंने अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत यहीं ऋक्रमें की थी, और अब अपने राज्य के नाम वाली टीम का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' आरआर के लीड ओनर मनोज बदाले ने कहा, 'रवि एक खास प्रतिभा हैं और हमारे फैंस लंबे समय से उन्हें रॉयल्स के रंग में देखने के इच्छुक थे। फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी एक सच्ची होमकमिंग जैसी है, खासकर यह जानते हुए कि उन्होंने अपने सफर की शुरुआत यहीं से की थी। वह एक बेहद कुशल गेंदबाज, शानदार फील्डर और उस भूख व जज़्बे का प्रतीक हैं जिसे हम इस फ्रेंचाइज़ी में महत्व देते हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शनः सरफराज खान की 5 साल बाद आईपीएल में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सरफराज खान की पांच साल बाद वापसी हुई। आईपीएल 2026 के लिए मेगा ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने सरफराज खान को उनके बेस प्राइस यानी 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान ने आईपीएल में अपना आखिरी मैच 2021 में खेला था।

सरफराज खान ने आईपीएल में अब तक 40 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 23.21 के औसत और 138.24 के स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। सरफराज खान का आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर 67 रन है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में उनका एकमात्र अर्धशतक भी है। आईपीएल 2021 में सरफराज खान को दिल्ली कैपिटल्स की ओर से दो मैच खेलने को मिले थे। हालांकि, वह दोनों ही मुकाबलों में एक भी रन नहीं बना पाए थे। वह कुल चार गेंदें ही खेल पाए थे। सरफराज खान का आईपीएल में सबसे अच्छा प्रदर्शन साल 2019 में रहा था। तब उन्होंने 45.00 के औसत और 125.87 के स्ट्राइक रेट से 8 मैच में 180 रन बनाए थे। सरफराज ने आईपीएल में पहली बार 2015 के संस्करण में खेला था। उस सीजन उन्होंने 13 मैच में 27.75 के औसत और 156.33 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन था।

ग्लोबल चैस लीगः

गुरु आनंद ने शिष्य गुकेश को हराया, गंगा ग्रैंड मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे दिन पर रोमांच अपने चरम पर रहा, जब प्रोडिजी बोर्ड पर आखिरी क्षणों में मिली जीत के दम पर फायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स ने मौजूदा चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के खिलाफ़ शानदार वापसी करते हुए 10-8 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल है। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में गंगा ग्रैंडमास्टर्स ने पीबीजी अलास्कन नाइट्स को 12-3 से हराकर अपनी मजबूत लय बरकरार रखी। खैर दिन का आकर्षण रहा गंगा ग्रैंडमास्टर्स और पीबीजी अलास्कन नाइट्स के बीच मुकाबले में दिग्गज पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और युवा सितारे वर्तमान विश्व चैंपियन गुकेश डी. के बीच आइकन बोर्ड की टक्कर । अन्य बोर्डों पर भी दिलचस्प मुक़ाबले देखने को मिले, जहां अर्जुन एरिगैसी का सामना विंसेंट कीमर से हुआ, वहीं वर्ल्ड कप चैंपियन जावोखिर सिंदारोव ने लीनियर डोमिंगेज़

के खिलाफ़ अहम जीत दर्ज की। डेनियल डार्डा और रौनक साधवानी के बीच ड्रॉ के बाद सिंदारोव की जीत ने ग्रैंडमास्टर्स को शुरुआती बढ़त दिलाई।लेकिन सबसे बड़ी जीत दर्ज की विश्वनाथन आनंद नें जिन्होंने सफेद मोहरो से गुकेश के ख़िलाफ़ अपने हाथी को क़ुर्बान करते हुए अपने दो प्यादों के दम पर सबसे बेहतरीन जीत दर्ज की । इस जीत के साथ गंगा ग्रैंड मास्टर्स अब शीर्ष 3 टीमों में शामिल हो गई है ।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए आनंद ने कहा, 'गुकेश के खिलाफ़ खेलना अच्छा लगा, वह बेहद लड़ाकू खिलाड़ी है। लेकिन सच कहूं तो मैं किसी के भी खिलाफ़ यह अंक लेना चाहता था। इस सीज़न का मेरा पहला पॉइंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

वहीं दिन के तीसरे मुक़ाबले में एक बेहद करीबी मुक़ाबले में सब तक सबसे आगे चल रही मुम्बा मास्टर्स को जिन्हें अल्पाइन एसजी पाइपर्स के हाथों एक करीबी हार का सामना करना पड़ा ।

900 मिलियन डॉलर है मेसी के बाएं पैर की कीमत, इतने में तो खरीद लें पूरा देश !

कोलकाता (एजेंसी)। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी का भारत दौरा किसी सपने जैसा रहा। कोलकाता और हैदराबाद के बाद जब मेसी नई दिल्ली पहुंचे, तो फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस दौरे के बीच मेसी के खेल से ज्यादा उनके बाएं पैर के 900 मिलियन डॉलर (करीब 74 अरब रुपये) के बीमा की चर्चा हो रही है। यह रकम

इतनी बड़ी है कि इसमें कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था समा सकती है।

क्यों नहीं खेला कोई मैच?

भारतीय फैंस इस उम्मीद में थे कि मेसी मैदान पर अपनी जादुई किक दिखाएंगे, लेकिन वे सिर्फ जर्सी और उपस्थिति तक ही सीमित रहे। इसके पीछे का कारण उनका भारी-भरकम इंश्योरेंस है। दरअसल इतनी बड़ी बीमा राशि होने के कारण खिलाड़ी किसी अन्य मैच में नहीं खेलते। अगर ऐसे मैच में चोट लगती है, तो बीमा कंपनियां उसका कवर नहीं देतीं, जिससे करोड़ों डॉलर का वित्तीय जोखिम खड़ा हो जाता है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मेसी का ऐतिहासिक सम्मान किया गया। यहाँ भारतीय खेल जगत के दो सबसे बड़े प्रेम–क्रिकेट और फुटबॉल–एक साथ दिखे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने मेसी को 2024 टी-20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के हस्ताक्षर वाला बल्ला भेंट किया। साथ ही, मेसी को टीम इंडिया की जर्सी भी दी गई, जो इस ऐतिहासिक पल की गवाह बनी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री चरणी को दिया 2.5 करोड़ का नकद पुरस्कार

महिला विश्व कप में 14 विकेट लिए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप जीता था। विश्व विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य श्री चरणी को बुधवार को आंध्र प्रदेश की सरकार ने सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने श्री चरणी से उनके उंडावल्ली स्थित घर पर मुलाकात की और उन्हें सरकार की तरफ से 2.5 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। कैश इनाम के अलावा, सरकार ने उन्हें विशाखापत्तनम में 500 स्क्वायर यार्ड का एक आवासीय प्लॉट भी दिया है। उनकी डिग्री पूरी होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने नौकरी का भी भरोसा दिया है। इससे संबंधित आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम राज्य सरकार के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और आंध्र प्रदेश की युवा महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विश्व कप के बाद श्री चरणी से मुलाकात के समय उनके लिए पुरस्कारों की घोषणा की थी। कार्यक्रम में परिवहन और खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष अनिमिनी रविनायुडू, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (खेल) अजय जैन और दूसरे सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे। कडप्पा जिले की रहने वाली श्री चरणी ने भारतीय टीम को महिला विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बाएं हाथ की इस स्पिनर ने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे और टूर्नामेंट की चौथी सफल गेंदबाज रही थीं। 21 साल की चरणी ने अप्रैल 2025 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्व कप में मौका दिया गया और उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट के फैसले को साबित किया। कुल 18 वनडे में 23 और 5 टी20 में 10 विकेट ले चुकी चरणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बड़ी स्टार के रूप में उभरी हैं।

आर श्रीधर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के फील्डिंग कोच नियुक्त

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट ने अगले साल होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप तक के लिए आर श्रीधर को राष्ट्रीय टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया है। लेवल 3 क्वालिफाइड कोच श्रीधर ने पहले 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच के रूप में काम किया है। हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ कंसल्टेंट कोच के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंका के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार श्रीधर ने कहा, 'श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा, लचीलेपन और सामूहिक भावना के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम कोई सिस्टम थोपना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी क्षमता, जागरूकता और मैदान पर गर्व स्वाभाविक रूप से बढ़ सके।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक-दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं।

टी20 विश्व कप 2026:

42 साल के वेन मैडसेन करेंगे इटली की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने कहा है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में वेन मैडसेन टीम के कप्तान होंगे। यह पहला मौका है जब इटली टी20 विश्व कप का हिस्सा बन रही है। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वेन मैडसेन को विश्व कप में इटली की कप्तानी का सबसे पसंदीदा उम्मीदवार माना गया है।

वेन मैडसेन अगले साल 2 जनवरी को 42 साल के हो जाएंगे। मैडसेन ने इटली के लिए अब तक 4 टी20 मैच खेले हैं जिसमें 1 अर्धशतक की मदद से 95 रन बनाए हैं। हालांकि इटली ने टी20 विश्व कप 2026 में क्वालिफिकेशन बर्न्स की कप्तानी में हासिल की है।

बर्न्स ने जुलाई 2025 में नीदरलैंड्स में क्वालिफाइंग कैंपेन के दौरान नेशनल टीम की कप्तानी की थी। उन्हीं की कप्तानी में इटली ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक रूप से अपनी जगह बनाई। फेडरेशन ने जो बर्न्स को इटैलियन क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया है। इटली अपना टी20 विश्व कप कैंपेन 9 फरवरी को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, टीम को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल के खिलाफ खेलना है। इटली आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ये सीरीज विश्व कप से पहले होगी। सीरीज इटली के लिए ऐतिहासिक है।

आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ उसकी यह पहली तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज है। सभी मैच 23 जनवरी से दुबई के सेवेंस स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज दोनों टीमों को इस बड़े इवेंट से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाने का एक कीमती मौका भी देती है। इटैलियन टीम ने अभी तक अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी प्लेयर लिस्ट जमा नहीं की है।

बाबर, शाहीन, रिजवान श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में खेलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (कप्तान) के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी बिग बैश लीग (बीबीएल) का पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया गया है कि जनवरी में श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ी पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। सीए ने टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के टी20 दौरे की योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए पाकिस्तान में एक टीम भेजी है।

टॉड ग्रीनबर्ग ने यह यह भी बताया कि मैके और डार्विन ऑस्ट्रेलिया की सर्दियों में बंगलादेश

के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे और तारीखों की घोषणा जनवरी में की जाएगी। चिंता थी कि बीबीएल में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों के ग्रुप जिसमें बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, शादाब खान, हारिस रऊफ और हसन अली शामिल हैं, उन्हें जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका में एक छोटी टी-20 सीरीज खेलने के लिए वापस बुलाया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में इसकी घोषणा की थी। एडिलेड ओवल में तीसरे एशेज टेस्ट की सुबह पत्रकारों के एक ग्रुप के साथ लंबी बातचीत में ग्रीनबर्ग ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि खिलाड़ी बीबीएल में बने रहेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमें बताया गया है कि अगर उन्होंने बीबीएल के लिए साइन किया है, तो वे पूरा बीबीएल खेलेंगे। टी20 विश्वकप से पहले पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है.

वर्ल्ड कप विनिंग टीम को मिली टाटा सिएरा एसयूवी

- **कार में ट्रिपल डिस्प्ले और सेफ्टी के लिए लेवल-2 एडीएएस, शुरुआती कीमत 11.49 लाख**

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स ने हाल ही में लॉन्च एसयूवी सिएरा का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट किया है। इवेंट में टाटा संस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और एमडी और सीईओ शैलेश चंद्र शामिल थे। कंपनी ने ऐलान किया था कि वह हर टीम मेंबर को सिएरा का टॉप

मॉडल देगी। भारतीय वूमन्स टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के मैदान पर साउथ अफ्रीका की विमेंस टीम को 52 रन से मात देने के साथ इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

यशस्वी जायसवाल राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद अस्पताल में हुए भर्ती

पुणे, एजेंसी। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ हुए मैच के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यशस्वी जायसवाल को पेट में तेज ऐंठन होने के बाद आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। जायसवाल को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को पूरे मैच के दौरान पेट में ऐंठन हो रही थी और मैच के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। अस्पताल में उनका अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन हुआ। इसके बाद चिकित्सकों को उनकी परेशानी का पता चला। फिलहाल उनकी स्थिति ठीक है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी हालत पर कोई ऑफिशियल अपडेट जारी नहीं किया है, हालांकि आने वाले दिनों में और क्लैरिटी मिलने की उम्मीद है। यशस्वी जायसवाल भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और इसी वजह से सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में मुंबई की तरफ से

खेल रहे हैं। हरियाणा के खिलाफ जायसवाल ने तूफानी शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी थी, बल्कि भारतीय टी20 टीम में बतौर ओपनर अपना दावा ठोका था। हरियाणा के खिलाफ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने 50 गेंद पर 16 चौके और 1 छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। इस दौरान 23 गेंद पर उन्होंने अर्धशतक और 48 गेंद पर शतक लगाया था। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गिल बतौर ओपनर टी20 में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं और लगातार असफल रहे हैं। गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह जायसवाल और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाजों को ड्रॉप करके दी गई है। ऐसे में जायसवाल के शतक ने गिल के लिए मुश्किल बढ़ा दी है। जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए 23 टी20 मैचों की 22 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 723 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 164.32 है।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

वाराणसी में छाया घना कोहरा, 2 डिग्री गिरा पारा

1 दर्जन ट्रेन विलंब...10 विमान रद्द, विशेषज्ञ बोले-पश्चिमी विक्षोभ का दिख रहा असर

वाराणसी। वाराणसी में दिसंबर की शुरूआत के साथ ही मौसम का मिजाज लगातार बदलता नजर आ रहा है। गुरूवार सुबह शहर घने कोहरे की चपेट में रहा, जिससे दृश्यता घटकर मात्र 80 मीटर तक दर्ज की गई। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक 275 रहा, जो स्वास्थ्य के लिहाज से खराब श्रेणी में आता है।

बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, आने वाले तीन दिनों तक वाराणसी और आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकता है। बीते दो दिनों से शाम होते ही कोहरा छाने लगा है। उन्होंने कहा शनिवार के बाद रविवार को भी शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सुबह घना कोहरा देखा गया। हालात ऐसे रहे कि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को रुक-रुक कर वाहन चलाने पड़े। मौसम में आए इस बदलाव से जनजीवन पर स्पष्ट असर दिखाई देने लगा है।

वाराणसी जंक्शन (कैंट), बनारस, वाराणसी सिटी और काशी स्टेशनों पर आने वाली या गुजरने वाली दर्जनभर ट्रेनें 11 घंटे तक विलम्बित रहीं। इनमें आनंद विहार टर्मिनल-दानापुर जन साधारण एक्सप्रेस 11.30 घंटे, नई दिल्ली-बनारस काशी विश्वनाथ 11 घंटे, नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी 8 घंटे लेट रही।

वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर घने कोहरे के चलते उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। एयरपोर्ट प्रशासन ने 16 दिसंबर से 15 फरवरी तक के लिए 10 उड़ानों को रद्द और 42 उड़ानों को रीशेड्यूल कर दिया है। नए विंटर शेड्यूल के अनुसार अब एयरपोर्ट से पहली उड़ान सुबह 7:35 बजे और अंतिम उड़ान रात्रि 9:45 बजे रवाना होगी। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, कोहरे के कारण विमान संचालन में दिक्कत आ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को भुवनेश्वर से आने वाली एटीआर फ्लाइट सुबह 7:35 बजे वाराणसी पहुंचेगी और 8:15 बजे वापस रवाना होगी। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई, जयपुर, पुणे के साथ-साथ शारजाह और मस्कट के लिए पूरे दिन उड़ानों का संचालन किया जाएगा। दिल्ली के लिए पहली उड़ानः सुबह 9:00 बजे,बेंगलुरु सुबह 10:00 बजे,मुंबईःसुबह 11:00 बजे,हैदराबादःसुबह 11:00 बजे,कोलकाताःसुबह 11:25 बजे दोपहर 12:00 से 1:30 बजे के बीच दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए लगातार उड़ानें रहेंगी। वहीं दोपहर 2:15 से शाम 5:10 बजे तक दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, मुंबई और अहमदाबाद के लिए कई उड़ानें निर्धारित की गई हैं। शाम 6:30 से रात 9:45 बजे तक इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर की उड़ानों के जरिए मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद के लिए आवागमन जारी रहेगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया कि कोहरे के कारण सुबह से शाम तक की कई उड़ानों को रीशेड्यूल किया गया है, जिससे यात्रियों को पहले से अपनी यात्रा की योजना बनाने में सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट से कुल 10 उड़ानों को दो महीने के लिए रद्द किया गया है, जिनमें सबसे अधिक दिल्ली रूट की उड़ानें शामिल हैं। इंडिगो की पुणे उड़ानें 6ए-049 और 6ए-6884 (रात्रि 2:45 बजे आगमन, 3:30 बजे प्रस्थान) इंडिगो की दिल्ली-वाराणसी की चार उड़ानें एयर इंडिया एक्सप्रेस की क-184 (शारजाह-वाराणसी), 1226 (वाराणसी-दिल्ली) यह फ्लाइट सुबह 7:00 बजे पहुंचती थी और 8:25 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरती थी। इंडिगो की बेंगलुरु से आने वाली रात्रि 22:30 बजे की फ्लाइट और 23:40 बजे वापसी वाली फ्लाइट भी रद्द।

वाराणसी पहुंचीं अभिनेत्री हिमांशी खुराना

बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर मांगी सुख-शांति की कामना, परिवार संग गंगा घाट का भ्रमण किया

वाराणसी। पंजाबी सिनेमा और म्यूज़िक इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री व मॉडल हिमांशी खुराना परिवार के साथ आध्यात्मिक नगरी वाराणसी पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने काशी की पावन गलियों का भ्रमण किया और नाव के जरिए गंगा घाटों की सुंदरता का आनंद लिया। वाराणसी प्रवास के दौरान हिमांशी खुराना ने काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। दर्शन के समय उन्होंने माथे पर चंदन लगाकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसे उनके प्रशंसकों ने खूब पसंद किया।

हिमांशी ने बताया कि इस यात्रा से उनके मन को विशेष शांति मिली है। उन्होंने कहा कि बनारस आकर मन को सुकून मिला और यही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है। अभिनेत्री ने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की कि जीवन में सब कुछ सही बना रहे और परिवार हमेशा खुशहाल रहे। हिमांशी खुराना दो दिनों तक बनारस में रहीं। इस दौरान उन्होंने बनारस के पारंपरिक जायकों का भी स्वाद लिया और स्थानीय संस्कृति को नजदीक से महसूस किया। गंगा आरती और घाटों की आध्यात्मिक ऊर्जा ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया।

भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, महानगर अध्यक्ष नजरबंद

वाराणसी। वाराणसी में भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने मलदहिया से गिरफ्तार किया। साथ ही महानगर अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किया गया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सत्य की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। हम कांग्रेस के लोग हैं इन सबसे डरने वाले और दबने वाले नहीं हैं।

बृहस्पतिवार को मलदहिया स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर एकत्रित होकर कांग्रेसियों ने चेतावनी प्रदर्शन किया। इसके बाद सिगरा स्थित भाजपा कार्यालय पर घेराव के लिए जा रहे थे। उनका आरोप है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी को फर्जी तरीके से फंसाया जा रहा है। इस दौरान भारी संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों ने कांग्रेसियों को हिरासत में ले लिया। वहीं कार्यक्रम से पहले महानगर अध्यक्ष युवा कांग्रेस चंचल शर्मा को पुलिस द्वारा उनके आवास पर नजरबंद किया गया।

स्टेशन पर बोरे में रखे थे 80 कछुए, जीआरपी रह गई सन्न

पूछने पर लोगों ने साधी चुप्पी; खंगाले जाएंगे सीसीटीवी

चंदौली। पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से बृहस्पतिवार को 80 कछुए बरामद हुए। बोरे और पिट्ठू बैग में कपड़ों के बीच छिपा कर कछुओं को रखा गया था। जीआरपी की सूचना पर वन विभाग की टीम कछुओं को अपने साथ ले गई। आगे की कार्रवाई वन विभाग करेगी। पीडीडीयू जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गश्त की जा रही है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार की दोपहर में प्लेटफार्म संख्या तीन और चार पर चार बोरे और पिट्ठू बैग लावारिस हाल में दिखे। आसपास के यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने बैग के बारे में कुछ नहीं बताया। शक होने पर एक बोरा खोलकर देखा तो इसमें कछुए मिले। बैग खोलने पर ऊपर में पहनने वाले कपड़े थे, लेकिन अंदर में बोरे में कछुआ मिले। थाने में लाकर गिनती की गई तो चारो बोरे और बैग में कुल 80 कछुए मिले। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पाकर जीआरपी पहुंची वन विभाग की टीम कछुओं को अपने साथ ले गई। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि वन विभाग के अधिकारी कछुओं को सारनाथ कछुआ सेंचुरी में छोड़ेंगे। बताया कि कछुआ कहां से लाया गया और कहां जा रहा था, इसका पता नहीं चला। आशंका है कि उत्तराखंड अथवा गंगा के तटवर्ती इलाके से कछुआ लेकर तस्कर बंगाल जा रहे होंगे। ट्रेन बदलने के लिए पीडीडीयू जंक्शन पर उतरे और जांच देख कर डर कछुआ छोड़ कर भाग गए होंगे। कहा कि सीसीटीवी जांच कर तस्करों को पकड़ा जाएगा।

मां ने मोबाइल नहीं दिया तो किशोरी ने फांसी से लटककर दी जान

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के सरायनंदन इलाके में मोबाइल फोन न मिलने से नाराज किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की छानबीन में जुटी रही। सरायनंदन निवासी दीपक यादव की 13 वर्षीय पुत्री सोनाक्षी यादव मोबाइल देखने की जिद कर रही थी, लेकिन उसकी मां ने उसे मोबाइल देने से मना कर दिया। मां के मना करने पर किशोरी नाराज हो गई और इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी भी हुई। सोनाक्षी ने शाम करीब आठ बजे घर के अंदर अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद जब परिजनों ने बाहर से आवाज दी और दरवाजा नहीं खुला तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। सोनाक्षी दुपट्टे के सहारे पंखे की कुंडी से लटकी हुई थी। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और आनन-फानन में बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर भेलूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में आत्महत्या का कारण मोबाइल न मिलने से उपजी नाराजगी बताया जा रहा है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण में आईजीआरएस जन सूचना और प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा

अवैध प्लाटिंग व निर्माण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) में आईजीआरएस, जन सूचना और प्रवर्तन से जुड़े मामलों की 15 दिवसीय प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक को वीडीए सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें 1 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में सचिव द्वारा आईजीआरएस और जन सूचना पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों, विशेष रूप से असंतुष्ट प्रतिक्रिया (नेगेटिव फीडबैक) वाले प्रकरणों पर गंभीरता से विचार किया गया। सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आईजीआरएस से संबंधित किसी भी प्रकरण में आख्या भेजने से पहले संबंधित जोनल अधिकारी स्वयं स्तर पर जांच कर सुस्पष्ट, तथ्यपरक और गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि आईजीआरएस अथवा जन सूचना से जुड़े लंबित प्रकरणों का नियत समय से सात दिन पूर्व निस्तारण नहीं किया गया, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा ने अवैध प्लाटिंग और अवैध निर्माण को लेकर सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि बिना ले-आउट स्वीकृत कराए और मानकों के विपरीत की जा रही प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह निर्देश दिया गया कि सभी जोन में प्रत्येक सप्ताह बृहस्पतिवार को ह्लसमाधान मानचित्र दिवसह्व के अवसर पर कम से कम 20 मानचित्र स्वीकृत किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन भवनों को सील किया गया है अथवा मुख्य मार्गों पर अवैध निर्माण हो रहा है, उनकी रिपोर्ट जोनल अधिकारी एवं अवर अभियंता अपने-अपने जोन के सुपरवाइजर से प्राप्त कर समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करें। सील किए गए भवनों पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। यदि कहीं सील तोड़कर निर्माण कार्य होता है तो तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत कर एफआईआर एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आलोच्य अवधि में विभिन्न जोनों द्वारा शमन मानचित्रों की स्वीकृति की गई। जोन-1 द्वारा 5, जोन-2 द्वारा 4, जोन-3 द्वारा 16, जोन-4 द्वारा 5 और जोन-5 द्वारा 4 शमन मानचित्र स्वीकृत किए गए। इस प्रकार कुल 34 शमन मानचित्रों को मंजूरी दी गई।

इसी अवधि में जोन-1 से जोन-5 द्वारा शमन शुल्क के रूप में कुल 4 करोड़ 41 लाख 28 हजार 163 रुपये प्राधिकरण कोष में जमा किए गए, जिसे सचिव ने संतोषजनक बताया।

उजाला संचार NEWS
NEW VIDEOS EVERYDAY
उजाला संचार यूट्यूब चैनल
सब्सक्राइब करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सच हर दिल तक पहुँचे
youtube.com/@ujalasanchar
सब्सक्राइब करें – ताकि कोई बड़ी खबर न छूटे!
लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!
कमेंट करें – अपनी राय हमारे साथ शेयर करें!
शेयर करें – सच की खबर को और आगे पहुँचाएँ!
SUBSCRIBE
AND ENABLE NOTIFICATIONS

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाशक, प्रधान संपादक **महेंद्र कुमार सोनकर** द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।